सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 250 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरूवार, 20 अक्टूबर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा... 8 | पहले झांसी में म्यूजियम, और अब... 3 | करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं... 7

पूर्ण धारणा के साथ बोला गया 'नहीं' सिर्फ दूसरों को खुश करने या समस्या से छुटकारा पाने के लिए बोले गए 'हाँ' से बेहतर है।

-महात्मा गाँधी

सीएम योगी का बड़ा ऐलान

मेडिकल-इंजीनियरिंग की पढ़ाई अब हिंदी में

» अगले सत्र से मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम हिंदी में भी होगा शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हिंदी मीडियम से पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए राहतभरी खबर है। मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान द्वारा मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में शुरू करने के बाद अब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी आज ऐलान कर दिया कि प्रदेश में भी मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में होगी। हाल ही में उन्होंने अपने ट्वीटर हैंडल से पोस्ट में लिखा है कि उत्तर प्रदेश में मेडिकल और इंजीनियरिंग की कुछ पुस्तकों का हिंदी में अनुवाद कर दिया गया है।

आगामी वर्ष से प्रदेश के विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में इन विषयों के पाठ्यक्रम हिंदी में भी पढ़ने के लिए मिलेंगे। योगी की घोषणा के बाद अब उत्तर प्रदेश में हिंदी पाठ्यक्रम को लेकर तैयारी तेज हो गई है पहले मेडिकल और फिर इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए हिंदी किताबें उपलब्ध हो गई है। फिलहाल इसे अगले साल से पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा। इसकी जानकारी सीएम योगी ने खुद दी है। बता दें कि हाल ही में केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने अपने मध्य प्रदेश के दौरे पर थे। उन्होंने हिंदी भाषा में मेडिकल एजुकेशन की महत्वाकांक्षी परियोजना के तहत एमबीबीएस छात्रों के लिए तीन विषयों की हिंदी में पाठ्यपुस्तकों का विमोचन किया। उन्होंने मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में आयोजित एक समारोह में गृहमंत्री ने एमबीबीएस छात्रों के लिए मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, एनाटॉमी और मेडिकल फिजियोलॉजी विषयों की हिंदी में पाठ्यपुस्तकों का अनावरण किया था।

हिंदी पैटर्न को लागू करने की तैयारी में चिकित्सा शिक्षा विभाग

मुख्यमंत्री ने मेडिकल एवं इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में शुरू करने की मंशा जाहिर की है। इसे लेकर चिकित्सा शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। पुस्तक तैयार करने की जिम्मेदारी अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों को दी जाएगी। क्योंकि यहां विभिन्न चिकित्सा संस्थानों के प्रोफेसर पहले से ही हिंदी में किताबें लिख चुके हैं। पहले से किताब लिखने वाले विशेषज्ञों की कमेटी भी बनाने की तैयारी है। चिकित्सा शिक्षा विभाग के मुख्य सचिव आलोक कुमार ने बताया कि प्रदेश में हिंदी में मेडिकल की पढ़ाई विधिवत की जाएगी। इसकी कवायद शुरू की जा रही है। हर पहलू का अध्ययन किया जाएगा। शिक्षा की गुणवत्ता किसी भी कीमत पर कम नहीं होने दी जाएगी। यहां कुछ किताबें पहले से मौजूद हैं। उनकी गुणवत्ता भी परखी जाएगी।

हिंदी पाठ्यक्रम को लेकर तैयारी तेज

"प्रदेश सरकार यूपी में मेडिकल व इंजीनियरिंग की पढ़ाई हिंदी में शुरू करवा रही है। इसके लिए कुछ किताबों को हिंदी में प्रिंट करवा दिया गया है और इसके लिए गठित कमेटी लगातार काम कर रही है।

बृजेश पाठक, डिप्टी सीएम

लखनऊ में फिर गैंगरेप, डॉक्टर और वार्ड ब्वॉय पर दरिंदगी का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दुष्कर्म की घटनाओं से आहत लखनऊ में एक और गैंगरेप की वारदात सामने आई है। राजधानी में एक युवती ने डॉक्टर और वार्ड ब्वॉय पर गैंगरेप करने का आरोप लगाया है। पीड़ित युवती के मुताबिक वो महानगर स्थित भाउराव देवरस अस्पताल में अप्रैल महीने में दिखाने गई थी।

वहां बेहोशी का इंजेक्शन लगाकर उसके साथ गैंगरेप किया गया, जिसके बाद महिला ने महानगर कोतवाली में गैंगरेप का केस दर्ज करवाया। पुलिस ने वार्ड ब्वॉय को गिरफ्तार कर लिया है और आगे जांच की जा रही है। कोर्ट के आदेश के बाद इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। बता दें कि इससे पहले राजधानी लखनऊ में 72 घंटे के भीतर दुष्कर्म की तीन वारदातें दर्ज की गयी। इसमें जहां गोमती नगर क्षेत्र में एक आश्रम में अनुयायियों द्वारा 52 वर्षीय एक साध्वी के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किया। महिला ने पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई है, जहां उसे मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है और चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं विभूति खंड में एक ऑटो चालक और उसके सहयोगी द्वारा एक युवती के साथ गैंगरेप करने की घटना सामने आई थी। मामले के मुख्य आरोपी बहराइच निवासी इमरान उर्फ मुस्तफा गिरफ्तार किया गया था।

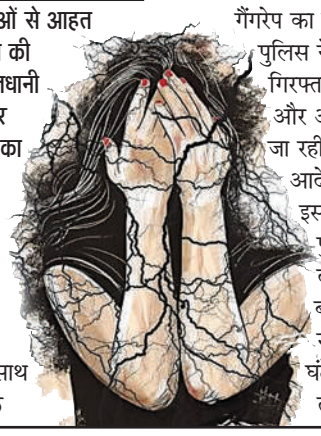

कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

बुरे वक्त में दलितों को बलि का बकरा बनाती है कांग्रेस: मायावती

» बसपा प्रमुख ने खड़गे के जरिए कांग्रेस पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मायावती ने मल्लिकार्जुन खड़गे को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर कहा कि कांग्रेस अपने बुरे समय में ही दलितों को आगे करती है और उन्हें बलि का बकरा बनाती है। यह उनका छलावा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस का इतिहास गवाह है कि इन्होंने दलितों व उपेक्षितों के मसीहा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर व इनके समाज की हमेशा उपेक्षा व तिरस्कार किया।

इस पार्टी को अपने अच्छे दिनों में दलितों की सुरक्षा व सम्मान की याद नहीं आती बल्कि बुरे दिनों में इनको बलि का बकरा बनाते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी को अपने अच्छे दिनों के लंबे समय में अधिकांशत: गैर-दलितों को एवं वर्तमान की तरह सत्ता से बाहर बुरे दिनों में दलितों को आगे रखने की याद आती है। क्या यह छलावा व छद्म राजनीति नहीं? लोग पूछते हैं कि क्या यही है कांग्रेस का दलितों के प्रति वास्तविक प्रेम? मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के नए अध्यक्ष बन गए हैं।

सड़कों के घटिया निर्माण को लेकर भड़के जितिन प्रसाद, अफसरों को फटकारा

» 15 नवंबर तक सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार ने सड़कों के गड्ढे मुक्ति के लिए अभियान चला रखा है। 15 नवंबर तक सभी सड़कों को गड्ढा मुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं ऐसे में जो सड़कें रिपेयर की जा रही है उनकी गुणवत्ता कैसी है इसे जांचने के लिए आज खुद पीडब्ल्यूडी मंत्री और लखनऊ मंडल के प्रभारी जितिन प्रसाद सड़क पर उतरे। मंत्री ने लखनऊ के व्यस्त चौराहे पर पहुंच कर सड़क की गुणवत्ता की जांच की. इस दौरान काम में कमी मिलने पर उन्होंने सभी अधिकारियों को मौके पर बुला लिया और जमकर लताड़ भी लगाई।

पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद लखनऊ के व्यस्त चौराहे पर पहुंचे जहां उन्होंने सड़कों पर गड्ढे भरने का काम देखा, लेकिन जब उन्होंने मरम्मत के काम में कमी दिखाई दी तो उन्होंने मौके पर ही सभी अधिकारियों को तलब कर लिया और उन्हें फटकार लगाई। इसके बाद उन्होंने अपने सामने ही सड़क में छेद करवाकर दो टुकड़े निकलवाए और जिन्हें जांच के लिए लैब में भेजा गया है। जितिन प्रसाद को एक जगह मानक के अनुसार सड़क का निर्माण नहीं मिला, जिसे लेकर उन्होंने इंजीनियरों को भी फटकारा। जितिन प्रसाद इस दौरान बातचीत करेते हुए जांच में कमी मिलने पर कई बड़े अफसरों पर कार्रवाई के संकेत दिए उन्होंने कहा कि आगे-आगे देखिए क्या होता है। पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद का नायक अवतार लखनऊ की सड़कों पर दिखाई दिया। उन्होंने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की पॉलिसी पर काम कर रही है। सड़कों के गड्ढे भरने को लेकर मुख्यमंत्री ने विशेष निर्देश दिए और इसीलिए वो खुद इसे जांचने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इस तरीके से अलग-अलग शहरों में सड़कों की जांच के लिए टीम भेजी जाएगी और जहां पर जो दोषी पाया जाएगा उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

बिखरा समाज कभी शासक नहीं बन सकता : राजभर

» कौन ऐसा नेता होगा जो मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुभासपा नेता ओपी राजभर अपनी सावधान यात्रा को लेकर गाजीपुर के महेंगवा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। मीडियाकर्मियों से भी कई मुद्दों पर बात की। इस दौरान मुख्यमंत्री बनने के सवाल पर उन्होंने कहा कि कौन ऐसा नेता होगा जो मुख्यमंत्री नहीं बनना चाहता होगा। राजभर की यात्रा बिहार के पटना तक जाएगी। वहीं उन्होंने कहा कि वह पहली बार बिहार की राजनीति नहीं कर रहे हैं बल्कि 2004 से ही बिहार में चुनाव लड़ रहे हैं। प्रसपा नेता शिवपाल यादव और उनके भतीजे सपा नेता अखिलेश यादव के एकजुट होने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह उनका विषय है लेकिन परिवार को एकजुट रहना चाहिए बिखरा हुआ समाज कभी शासक नहीं बन सकता।

ओपी राजभर ने कहा कि बीजेपी का नाम लिए बिना सपा, बसपा या अन्य कोई भी राजनीतिक पार्टी जिंदा नहीं रह सकती। कुछ लोगों की राजनीति पाकिस्तान और भारत से जुड़ी हुई है। किसी की हिंदू मुसलमान से जुड़ी हुई है और किसी की जाति से. सरकार के बुलडोजर नीति पर उन्होंने कहा कि कुछ भूमाफिया के खिलाफ कार्रवाई हो रही है उसका स्वागत है लेकिन भूमाफिया की आड़ में भूमिहीन और कमजोर लोगों के रंजिश के कारण मकान गिराए जा रहे हैं, वह ऐसे लोगों के खिलाफ हैं। इस दौरान वह केंद्र सरकार की नीतियों की तारीफ करते हुए भी नजर आए।

प्रशांत किशोर का दावा- बीजेपी के संपर्क में हैं नीतीश कुमार, फिर से जा सकते हैं साथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। राजनीतिक रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने दावा किया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी के संपर्क में हैं और अगर स्थिति की मांग हुई तो वह फिर से उस पार्टी के साथ गठजोड़ कर सकते हैं। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यू) ने उनकी इस टिप्पणी को खारिज करते हुए इसे भ्रामक बताया और कहा कि इसका मकसद भ्रम फैलाना है। प्रशांत किशोर इन दिनों बिहार में पदयात्रा कर रहे हैं. उनकी इस यात्रा को सक्रिय राजनीति में आने के पहले के कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

उन्होंने पीटीआई-भाषा से कहा कि कुमार ने जेडीयू सांसद और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के जरिए बीजेपी के साथ संवाद के लिए एक रास्ता खुला रखा है। इस संबंध में हरिवंश को उनकी प्रतिक्रिया के लिए भेजे गए सवाल का कोई जवाब नहीं मिला, लेकिन उनकी पार्टी ने इस दावे को खारिज करते हुए जोर दिया कि कुमार फिर कभी बीजेपी से हाथ नहीं मिलाएंगे। इधर, जेडीयू ने किशोर की खिंचाई की और पार्टी प्रवक्ता केसी त्यागी ने कहा कि कुमार ने सार्वजनिक रूप से घोषणा की है कि वह अपने जीवन में फिर कभी बीजेपी से हाथ नहीं मिलाएंगे। त्यागी ने कहा, 'हम उनके दावे का खंडन करते हैं। कुमार 50 साल से अधिक समय से सक्रिय राजनीति में हैं जबकि किशोर छह महीने से हैं। किशोर ने भ्रम फैलाने के लिए इस प्रकार की भ्रामक टिप्पणी की है। बता दें कि प्रशांत किशोर ने अपनी पदयात्रा दो अक्टूबर को पश्चिम चंपारण के भितिहरवा स्थित गांधी आश्रम से शुरू की है। वह व्यवस्था में 'बदलाव' की खातिर लोगों के समर्थन के लिए अगले 12-15 महीनों में 3,500 किलोमीटर की यात्रा करेंगे।

मेरा बाप मुसलमान था : मुनव्वर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। शायर मुनव्वर राणा का एक बयान काफी चर्चा में है। मुनव्वर राणा से पूछा गया कि ये पसमांदा कौन हैं, इसी प्रश्न का जवाब देते हुए उन्होंने ये बयान दिया। मुनव्वर राणा ने कहा कि पसमांदा की शब्दावली का मतलब ये होता है कि पिछड़े हुए लोग। समाज में जो पिछड़ जाते हैं, उन्हें पसमांदा कहा जाता है। इस्लाम में पसमांदा का कोई जिक्र नहीं था और न ही जात-पात का कोई जिक्र था। इसमें कोई नहीं जानता है कि कौन-कौन किस जाति का है। केवल ये जानते हैं कि ये अरबी हैं। इसी पर शादी होती है और इसी पर विवाह होता है। हिंदुस्तान में आकर हमलोग इस रंग में रंग गए हैं। आगे कहा कि मैं बहुत इमानदारी से एक बात कहता हूं कि मेरा बाप मुसलमान था, इसकी मैं गारंटी लेता हूं. लेकिन मेरी मां भी मुसलमान थी, इसकी गारंटी मैं नहीं ले सकता।

अखिलेश भैया संभालेंगे नेताजी की सियासी विरासत : प्रतीक

» पिता के निधन से उनका व्यक्तिगत और पूरे समाज का बड़ा नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद उनके छोटे बेटे प्रतीक यादव ने पहली प्रतिक्रिया दी है। प्रतीक यादव अस्थि विसर्जन में शामिल होने प्रयागराज पहुंचे, जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए ये प्रतिक्रिया दी। वहीं उन्होंने राजनीति में एंट्री और अखिलेश यादव को लेकर कहा कि नेताजी की सियासी विरासत को अखिलेश भैया ही संभालेंगे।

प्रयागराज के संगम तट पर पहुंचे नेताजी के छोटे बेटे प्रतीक यादव ने कहा कि नेताजी के निधन से उनका व्यक्तिगत और पूरे समाज का बड़ा नुकसान हुआ हैं। नेताजी की सियासी विरासत को अखिलेश भैया ही संभालेंगे। वह पहले से ही दूसरे कामों में थे और खुद को उन्हीं कामों में व्यस्त रखेंगे। सियासत से उनका आगे भी कोई लेना देना नहीं रहेगा। दरअसल, बुधवार को प्रयागराज के संगम तट पर मुलायम सिंह यादव का अस्थि विसर्जन होने वाला है। इसमें शामिल होने के लिए उनके छोटे बेटे प्रतीक यादव प्रयागराज पहुंचे थे। तभी मीडिया के प्रश्नों का जवाब देते हुए उन्होंने ये बयान दिया है. उनके बयान के बाद अब माना जा रहा है कि नेताजी की सियासी विसारत को लेकर उनके दोनों बेटों की बीच अब रार नहीं होगी। बता दें कि प्रतीक यादव मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे हैं। साधना गुप्ता की निधन इसी साल जुलाई में हुआ था।

गूगल का एकाधिकार

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

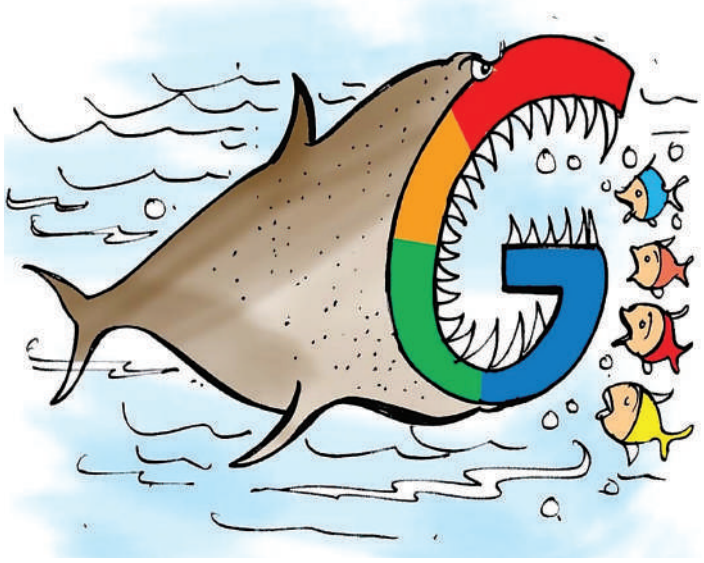

आप ने हिमाचल चुनाव के लिए जारी की प्रत्याशियों की दूसरी सूची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए सबसे पहले चार टिकट फाइनल करने वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को 54 प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी है। बुधवार देर रात जारी सूची के साथ ही आप ने 68 में से 58 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं।

यह सूची आप के प्रदेश अध्यक्ष सुरजीत सिंह ठाकुर व पार्टी प्रभारी हरजोत सिंह बैंस की ओर से जारी की गई है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री रविंद्र सिंह रवि को सुलह से प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं, होशियार सिंह को ज्वालामुखी सीट से टिकट दिया गया है। पार्टी ने तीन महिलाओं को भी उम्मीदवार बनाया है। आम आदमी पार्टी की ओर से जारी पहली सूची में डॉ. राजन सुशांत फतेहपुर, मनीष ठाकुर पावंटा साहिब, उमाकांत डोगरा नगरोटा बगवां और सुदर्शन जस्पा को लाहौल-स्पीति से आप ने प्रत्याशी बनाया है।

पहले झांसी में म्यूजियम, और अब बलिया में मुलायम सिंह की स्मृति में बनेगा सभागार

» बीजेपी सांसद वीरेंद्र सिंह ने मुलायम सिंह यादव के नाम से बनवाएंगे सभागार

» बलिया एमपी ने 25 लाख रुपए भी स्वीकृत किए, डीएम को पत्र भी लिखा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी और परिवार को एकजुट करने में मुलायम सिंह यादव की भूमिका सबसे अहम थी। मुलायम ऐसे नेता थे, जिनके रिश्ते सभी से थे। पार्टी के लोग नेताजी को जमीनी नेता मानते थे, वे हर कार्यकर्ता को जोड़कर रखते थे। इसी के चलते झांसी में पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की याद में म्यूजियम बनाने की घोषणा के बाद बलिया जिला न्यायालय परिसर में धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव संवाद (सभागार) भवन बनेगा। भाजपा सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने जिलाधिकारी को पत्र लिखकर सभागार को सांसद निधि से बनवाने को कहा है।

सिविल बार एसोसिएशन शपथ ग्रहण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल सांसद वीरेंद्र ने घोषणा की। उन्होंने कहा कि सभी अधिवक्ताओं की सहमति लेकर सांसद निधि से धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव के स्मृति में संवाद केंद्र बनाने को कहा। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव एक विलक्षण व्यक्तित्व के धनी थे। उन्हें एक विनम्र और जमीन से जुड़े नेता के रूप में व्यापक रूप से सराहा गया, जो लोगों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील थे। उन्होंने लगन से लोगों की सेवा की और लोकनायक जेपी और डॉ. लोहिया के आदर्शों को लोकप्रिय बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। मुलायम सिंह यादव ने उत्तर प्रदेश और राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई। वह आपातकाल के दौरान लोकतंत्र के लिए एक प्रमुख सैनिक थे। रक्षा मंत्री के रूप में उन्होंने एक मजबूत भारत के लिए काम किया। उनके संसदीय हस्तक्षेप व्यावहारिक थे और राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने पर जोर देते थे। मेरी तरह स्वर्गीय मुलायम भी कुश्ती के खिलाड़ी रहे थे। ऐसे महान व्यक्ति के स्मृति में बलिया संसदीय क्षेत्र के अन्तर्गत जिला सिविल कचहरी बलिया परिसर में सांसद निधि से रुपये पचीस लाख की स्वीकृत करते हुए कहा कि सभागार के भवन का नाम धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव संवाद भवन रख कर मैं अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह के निधन पर सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कहा कि उनसे हमारा परिवारिक लगाव था। शिवपाल व अखिलेश यादव में जब रिश्ते में कड़वाहट थी। तब भी नेता जी ने मुझसे इस विवाद को खत्म करने में पहल करने की बात कही थी। सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने नेताजी के साथ जुड़ाव की तमाम यादों को साझा भी किया।

झांसी में सपा के पूर्व सांसद अपने खर्च पर कराएंगे म्यूजियम का कंस्ट्रक्शन

झांसी में पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव की याद में म्यूजियम बनाया जाएगा। इसमें बुंदेलखंड के 7 जिलों से जुड़ी उनकी यादों को संजोया जाएगा। म्यूजियम का निर्माण कोई और नहीं, बल्कि उनके करीबी रहे सपा के पूर्व सांसद डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव अपने खर्च पर गढ़मऊ रोड पर कराएंगे। इसको लेकर तैयारी शुरू हो चुकी है। मुलायम सिंह के निधन के बाद अखिलेश यादव ने सैफई में मुलायम सिंह का संग्रहालय बनाने की घोषणा की थी। अब झांसी में भी उनकी स्मृति में म्यूजियम बनाने की योजना पर काम किया जाने लगा है। इसमें बुंदेलखंड से जुड़ी उनकी सभी यादों को संजोया जाएगा। म्यूजियम में मुलायम सिंह के बुंदेलखंड के सभी दौरों का फोटो समेत रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। क्षेत्र के विकास के लिए मुलायम सिंह की ओर से किए गए कार्यों को भी फोटो व मॉडल के जरिए दर्शाया जाएगा। म्यूजियम में पुराने समाजवादियों के बारे में भी जानने का मौका मिलेगा। म्यूजियम का निर्माण मुलायम के करीबी और पार्टी के लंबे समय तक राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रहे पूर्व सांसद डा. चंद्रपाल सिंह यादव द्वारा स्वयं के खर्च से गढ़मऊ रोड पर किया जाएगा। इसका प्लान तैयार किया जाने लगा है।

मैनपुरी सीट पर होगा छह महीने में उपचुनाव

शिवपाल के अभी तक जो तेवर रहे हैं उसे देख अखिलेश को सावधानी से निर्णय लेना होगा। टिकट देने में जरा सी चूक से पार्टी को यहां बड़ा झटका लग सकता है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद अब मैनपुरी संसदीय सीट रिक्त हो गई है। यहां छह महीने के अंदर उपचुनाव होना है। 1996 से लगातार सात लोक सभा चुनाव व दो उपचुनाव में यहां सपा की साइकिल खूब दौड़ी। 2004 में जब मुलायम सिंह ने मैनपुरी सीट से इस्तीफा दिया, उस समय उपचुनाव में धर्मेंद्र यादव ही यहां से जीते थे। इसी तरह वर्ष 2014 में जब मुलायम ने फिर यह सीट छोड़ी तो उस समय उपचुनाव में उनके पौत्र तेज प्रताप सिंह यादव मैनपुरी से चुनाव जीतकर सांसद बने थे। इस कारण धर्मेंद्र व तेज प्रताप दोनों का दावा इस सीट पर मजबूत है।

मुलायम सिंह ने बुंदेलखंड को कई सौगातें दीं

समाजवादी पार्टी के प्रदेश के मजबूत गढ़ों में में बुंदेलखंड भी एक है। शुरुआत से ही मुलायम सिंह ने बुंदेलखंड से लगाव रहा है। झांसी समेत बुंलेदखंड के सातों जिलों में उनका खूब आना जाना रहा है। 1989 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने पर मुलायम सिंह ने बुंदेलखंड विकास निधि की शुरुआत की थी। तब उन्होंने 5 करोड़ का बजट दिया था। दूसरी बार सीएम बनने पर 25 करोड़ और तीसरी बार सत्ता मिलने पर निधि का बजट बढ़ाकर 50 करोड़ रुपए कर दिया था। अब यह निधि बढ़कर 200 करोड़ पर पहुंच गई है। इसके अलावा भी उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए कई योजनाओं की सौगात दी थी। पूर्व सांसद डॉ. चंद्रपाल सिंह यादव ने बताया कि मुलायम सिंह यादव ने हमेशा बुंदेलखंड के विकास को प्राथमिकता पर रखा। क्षेत्र के विकास की उन्होंने कई सौगातें दीं। इसी के चलते उनकी स्मृति में यहां म्यूजियम बनाया जाएगा। इसके लिए योजना तैयार हो रही है। जल्द ही म्यूजियम बनकर तैयार हो जाएगा।

मुलायम सिंह के लिए भारत रत्न की उठी मांग

दिवंगत मुलायम सिंह यादव के लिए भारत रत्न की मांग उठी है। यह मांग समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता और सीनियर लीडर आईपी सिंह ने की है। राष्ट्रपति को एक पत्र लिखकर सपा नेता ने मुलायम सिंह यादव को अविलम्ब भारत रत्न देने की मांग की है। आईपी सिंह ने अपने पत्र में लिखा कि नेताजी के गोलोकगमन से पूरा देश शोकाकुल है। सभी में निराशा का भाव है। ऐसे में उनके चाहने वाले और समाजवादी विचारधारा के हर सिपाही की भावनाओं को ध्यान रखते हुए नेताजी को देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा की जानी चाहिए। धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव वो नाम है जो भारत रत्न की शोभा बढ़ाने का काम करेगा। आईपी सिंह ने लिखा है कि उत्तर प्रदेश के सबसे छोटे कस्बे में से एक पिछड़े परिवार में जन्म लेने वाले नेताजी लगभग 6 दशकों तक सदैव देश की राजनीति का केंद्र बिंदु बने रहे। वह सही मायने में भारतीय राजनीति के दिग्गज नेता थे। आठ बार विधायक, सात बार सांसद तीन बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री और एक बार भारत के रक्षा मंत्री रहकर भी नेताजी ने कभी जमीन नहीं छोड़ी। वे गरीबों के मसीहा थे और आजीवन सिर्फ गरीब कल्याण की राजनीति की। महामहिम, समाज में जिस वंचित और शोषित वर्ग के लिए नेताजी ने संघर्ष किया उस वर्ग की पीड़ा और दर्द आप से बेहतर कोई और नहीं समझ सकता।

नेताजी की विरासत संभालने के लिए परिवार में चार दावेदार

समाजवादी पार्टी के लिए पिछले नौ लोक सभा चुनाव में अभेद्य दुर्ग रही मुलायम सिंह यादव की मैनपुरी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। चुनौती प्रत्याशी चयन को लेकर है। मैनपुरी सीट के लिए परिवार के ही चार दावेदार हैं। इनमें मुलायम के भतीजे धर्मेंद्र यादव, पौत्र तेज प्रताप सिंह यादव, भाई शिवपाल सिंह यादव व बहू डिंपल यादव हैं। मुलायम के न रहने पर अखिलेश को पार्टी के साथ ही परिवार को भी साधना है। 2022 के विधान सभा चुनाव में भी अखिलेश ने चाचा की पार्टी को साथ लिया था, हालांकि उन्हें केवल एक सीट दी थी। अखिलेश ने जब सपा विधायकों की बैठक बुलाई थी उसमें न बुलाए जाने से चाचा नाराज हो गए थे। उन्होंने यहां तक कह दिया था कि सपा के साथ समझौता उनकी सबसे बड़ी भूल थी।

छोटे बेटे प्रतीक के पास लग्जरी कार

प्रतीक यादव मुलायम सिंह के छोटे बेटे हैं और उनके पास आलीशान लैम्बॉर्गिनी कार है। यह एक लग्जरी कार है, जिसकी कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक है। प्रतीक यादव की पत्नी अपर्णा यादव के पास अपनी कोई कार नहीं है। मुलायम सिंह यादव के भाई और राजनेता शिवपाल यादव के पास पजेरो कार है। इस बात की जानकारी शिवपाल ने 2019 में चुनाव आयोग को अपने हलफनामे में दी थी। वहीं उनकी पत्नी सरला यादव के पास अपनी कोई कार नहीं है। मुलायम सिंह यादव के भतीजे धर्मेंद्र यादव ने 2019 में चुनाव आयोग को बताया था कि उनके पास टोयोटा क्वालिस कार है।

मुलायम के पास इतनी थी इनकम

नेताजी के नाम से मशहूर मुलायम के पास 20,56,04,593 रुपये की संपत्ति थी और उनकी देनदारियां दो करोड़ से ज्यादा यानी 2,20,55,657 रुपये थी। वित्त वर्ष 2017-18 में आईटीआर के अनुसार उनकी इनकम 32,02,615 रुपये थी, 2016 से 2017 में 31,87,656 रुपये, 2015 से 2016 में 28,38,642 रुपये, 2014 - 2015 में 36,05,768 रुपये और 2013 से 2014 में उनकी इनकम 19,16,997 रुपये थी। वही मुलायम सिंह यादव पर बेटे अखिलेश यादव का 2 करोड़ रुपये से ज्यादा यानी 2,13,80,000 रुपये का बकाया है।

विरासत में धरती पुत्र छोड़ गए करोड़ों की संपत्ति!

दिग्गज राजनेता और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री रहे मुलायम सिंह यादव का परिवार देश के सबसे बड़े और चर्चित राजनीतिक परिवारों में शुमार है। यूपी की राजनीति में लंबे वक्त से सक्रिय इस परिवार के कई सदस्य लोक सभा और विधान सभा के सदस्य हैं या फिर रहे हैं लेकिन आपको यह जानकर शायद आश्चर्य हो कि परिवार के कई सदस्यों के नाम अपनी कोई कार नहीं है। हालांकि परिवार के कुछ सदस्यों के पास महंगी लग्जरी कारें भी हैं। अखिलेश यादव, डिंपल यादव और मुलायम सिंह ने 2019 में चुनाव आयोग को जो हलफनामा दिया था उसमें जानकारी दी थी कि उनके पास अपनी कोई कार नहीं है। सपा संरक्षक मुलायम सिंह अपने परिवार के लिए एक बड़ी विरासत छोड़ गए हैं। उनके के पास करोड़ों रुपये की संपत्ति थी। एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीजी) की रिपोर्ट के अनुसार, 2019 तक मुलायम सिंह यादव के पास 20 करोड़ रुपये से भी ज्यादा के एसेट थे। बताया जा रहा है कि नेताजी के जाने के बाद अखिलेश ही उनकी जिम्मेदारी संभालेंगे।

जसवंत नगर पर है शिवपाल का कब्जा

शिवपाल यादव भी पहले कह चुके हैं यदि नेताजी चुनाव नहीं लड़ेंगे तो वे चुनाव लड़ने पर विचार कर सकते हैं। हालांकि, अब मुलायम के न रहने पर स्थितियां बदली हैं। मुलायम ने जब 1996 में जसवंतनगर विधान सभा सीट छोड़ी थी तब से शिवपाल ही इस सीट से चुनाव लड़कर विधायक बनते आ रहे हैं। सैफई के इस यादव परिवार में शिवपाल ही ऐसे व्यक्ति हैं जो मुलायम की तरह सभी दलों में संबंध रखते हैं। इसका फायदा दिल्ली की राजनीति में अखिलेश व पार्टी को मिल सकता है। इसे ध्यान में रखते हुए

अखिलेश भी अपने चाचा से रिश्ते सुधारने के लिए उन्हें मैनपुरी से उतार सकते हैं। यदि ऐसा हुआ तो शिवपाल जसवंतनगर सीट से अपने बेटे आदित्य को चुनाव लड़वा सकते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

हवा की गुणवत्ता में सुधार की जरूरत

शहर में हवा की गुणवत्ता सार्वजनिक परिवहन, पैदल और साइकिल चलाने के रास्तों, पक्की सड़कों, एकीकृत कचरा प्रबंधन, और हरित क्षेत्र जैसी विभिन्न शहरी सेवाओं पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए अगर ठोस कचरा प्रबंधन का उचित इंतजाम नहीं है, तो इससे कूड़ा जमा होने और उसे जलाने की घटनाएं बढ़ सकती हैं, जो अंतत: वायु प्रदूषण बढ़ाएगी।

वायु प्रदूषण की चर्चा सर्दी के मौसम में बहुत ज्यादा होती है, क्योंकि नवंबर-दिसंबर, जनवरी व फरवरी माह में हवा की गुणवत्ता में बहुत ज्यादा गिरावट आ जाती है। उत्तर और मध्य भारत में वायु प्रदूषण पूरे साल बनी रहने वाली समस्या है। इसमें सुधार लाने के लिए विभिन्न प्रदूषण स्रोतों से होने वाले उत्सर्जन को बड़े पैमाने पर घटाने की जरूरत है। वायु प्रदूषण घटाने के लिए नेशनल क्लीन एयर प्रोग्राम (एनसीएपी) पर ध्यान देने की जरूरत है, जिसे भारत सरकार ने 2019 में शुरू किया था। वायु गुणवत्ता के राष्ट्रीय मानकों को पूरा नहीं करने वाले 132 शहरों की पहचान की गई है और इनके लिए समयबद्ध लक्ष्य तय किए गए। लेकिन, इसके तहत निर्धारित गतिविधियों में ज्यादातर चर्चा निगरानी बढ़ाने, प्रदूषण स्रोतों और उनके प्रभाव क्षेत्रों की जानकारी जुटाने जैसी कवायद पर केंद्रित हो जाती है। केवल एक तिहाई नॉन-अटेनमेंट शहर ही अब तक इमीशन इन्वेंट्री अध्ययन पूरा कर पाए हैं, जबकि वायु प्रदूषण रोकने में निगरानी और वैज्ञानिक आकलनों के आंकड़े बहुत महत्वपूर्ण होते हैं। इन्हीं के जरिये हमें समस्या की जानकारी मिलती है। आंकड़ों के आधार पर कदम उठाने की रणनीति अपनाने से नीति निर्माताओं और नियामकों को इन सवालों का जवाब पाने में मदद मिल सकती है कि प्रदूषण कहां पर है। इमीशन इन्वेंट्री, हवा को प्रदूषित करने वाले स्रोतों की जानकारी देती है, पर यह नहीं बता पाती कि ये स्रोत कहां पर हैं और कैसे लगातार बदल रहे हैं। कानपुर और लखनऊ जैसे शहरों ने शहर को अलग-अलग क्षेत्रों में बांटकर प्रदूषण स्रोतों की जानकारी जुटाने की दिशा में प्रयास किए हैं, जो उत्सर्जन और स्रोतों की क्षेत्रवार जानकारी दे सकते हैं। लेकिन यह पहल दूसरे शहरों में अभी तक एक मानक गतिविधि नहीं बन पाई है, जबकि प्रदूषण स्रोतों की जगह जानना बहुत जरूरी होता है। शहर में हवा की गुणवत्ता सार्वजनिक परिवहन, पैदल और साइकिल चलाने के रास्तों, पक्की सड़कों, एकीकृत कचरा प्रबंधन, और हरित क्षेत्र जैसी विभिन्न शहरी सेवाओं पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए, अगर ठोस कचरा प्रबंधन का उचित इंतजाम नहीं है, तो इससे कूड़ा जमा होने और उसे जलाने की घटनाएं बढ़ सकती हैं, जो अंतत: वायु प्रदूषण बढ़ाएगी। इसे देखते हुए ही केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने पहले से ही विभिन्न शहरी सेवाओं के लिए सर्विस लेवल बेंचमार्क के इंडिकेटर्स तय कर रखे हैं। इन इंडीकेटर्स की सक्रियता से निगरानी करने की जरूरत है। अभी केवल कुछ ही शहरों में जनता को हवा की गुणवत्ता के पूर्वानुमान की जानकारी मिल पाती है। सटीक पूर्वानुमान से न केवल कार्यान्वयन एजेंसियों को प्रदूषण घटाने के लिए पहले से कदम उठाने, बल्कि जनता को प्रदूषण के उच्च स्तर के दौरान बचाव के उपायों को अपनाने में मदद मिल सकती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

ई-वाहन : धीमी प्रगति पर उठते सवाल

संजय अभिज्ञान

क्रांतियां केवल राजनीतिक नहीं होतीं। तकनीक की दुनिया के क्रांतिकारी परिवर्तन भी इंसान को हमेशा के लिए बदलते रहे हैं। भारत के ऑटोमोबाइल इतिहास में पहली बार इधर कुछ ऐसा ही घट रहा है। ओणम और गणेश चतुर्थी से आरंभ हुआ त्योहारी सीजन खुशखबरी लाया है कि भारतीय मध्यवर्ग इलेक्ट्रिक वाहनों को अपना रहा है। खरीदारी के ताजा ट्रेंड बता रहे हैं कि बाजार में बिकने वाले हर सौ में से 15 स्कूटर बैटरी चालित हैं। मतलब आज देश में बिकने वाला हर सातवां स्कूटर इलेक्ट्रिक है और एक अनुमान के मुताबिक अगले तीन साल में ही वह स्थिति आने वाली है, जब बाजार में बिकने वाला हर दूसरा स्कूटर बैटरी वाला होगा।

सड़कों पर तिपहिया और सरकारी बस जैसे इलेक्ट्रिक वाहन तो डेढ़-दो दशक से लोग देख ही रहे हैं। लेकिन निजी जीवन में ई-वाहनों के प्रवेश की यह संभवत: पहली धमक है। भारी उद्योग मंत्रालय के आंकड़े बता रहे हैं कि आज देश में सड़कों पर कुल 13 लाख 34 हजार से अधिक इलेक्ट्रिक वाहन मौजूद हैं, जबकि गैर-इलेक्ट्रिक पारंपरिक श्रेणी के कुल 27 करोड़ 81 लाख से ज्यादा वाहन दौड़ रहे हैं। जाहिर है, तुलना में अभी ई-वाहनों का अनुपात बहुत कम हैं, लेकिन भविष्य का ट्रेंड साफ है। सरकारी सब्सिडी और ई-वाहनों के आधुनिक फीचरों की बदौलत ई-वाहनों की बिक्री में गुणात्मक बढ़त होगी। एक बात साफ है। चूंकि छोटी से छोटी इलेक्ट्रिक कार भी नौ-दस लाख की बैठती है, भारत में ई-वाहन क्रांति स्कूटर या साइकिल पर ही बैठकर आएगी। ई-स्कूटर की सब्सिडीशुदा कीमत मॉडल या रेंज के हिसाब से 80 हजार से डेढ़ लाख के बीच है। यह कीमत आम मध्यवर्गीय की जेब के करीब है। इसके अलावा पेट्रोल से चलने वाले स्कूटर में प्रति किलोमीटर लागत अगर दो से ढाई रुपये आती है, तो ई-स्कूटर में यह मात्र 30 पैसे प्रति किलोमीटर बैठती है। बेशक, किफायत के इस अर्थशास्त्र में एक बड़ी भूमिका केंद्र और राज्यों की रियायतों की है। नेशनल मिशन ऑन इलेक्ट्रिक मोबिलिटी स्कीम के तहत 2015 में फेम नीति - हाइब्रिड व इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए फास्टर एडोप्शन एंड मैन्यूफैक्चरिंग स्कीम का पहला चरण शुरू हुआ। उसी फेम स्कीम का दूसरा चरण 10,000 करोड़ के भारी सब्सिडी बजट के साथ मार्च 2024 तक चलेगा जिसके तहत ई-स्कूटर पर प्रति किलोवाट 15 हजार रुपये की सहायता कंपनी को दी जाती है।

ई-वाहनों पर सिर्फ पांच फीसदी जीएसटी दर लागू है। कई राज्यों ने रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में सौ फीसदी तक कटौती की है। चलाने में

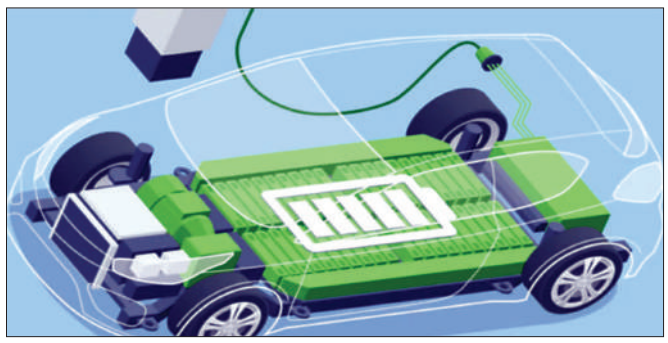

किफायती और प्रदूषण से मुक्त ई-वाहनों की लोकप्रियता स्वागतयोग्य है। इसका श्रेय केंद्र सरकार की दूरदर्शिता और भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी जैसे राजनेताओं के सात्विक आग्रहों को जाता है। मगर कई मुद्दे हैं, जो ई-वाहन क्रांति की भ्रूणहत्या कर सकते हैं। पहला, बाजार में मांग तो उभर गई मगर आपूर्ति तंत्र कहां है? ई- इन्फ्रास्ट्रक्चर तो कदमताल करता नजर नहीं आता। चार्जिंग का सार्वजनिक ढांचा अधूरा पड़ा है। दूसरा बड़ा सवाल, ई-वाहनों की बैटरी का पेट भरने के लिए बिजली आएगी कहां से? राष्ट्रीय ग्रिडों पर पहले से बहुत बोझ है। कई राज्यों में बिजली कटौती से नागरिकों की नींद हराम है। उससे भी बड़ा सवाल। लाखों ई-वाहनों का बेड़ा जो बिजली खाएगा, वह कोयला संयंत्रों से आएगी या सौर ऊर्जा व पनबिजली परियोजनाओं से? आज भी देश में कुल बिजली उत्पादन का 75 प्रतिशत हिस्सा कोयला आधारित थर्मल संयंत्रों से आता है, जिन्हें प्रदूषणकारी ग्रीनहाउस गैसों का मुख्य स्रोत कहा जाता है। पेरिस समझौते के मुताबिक भारत को 2030 तक अपनी कुल जरूरत की पचास प्रतिशत बिजली सौर, पवन, पनबिजली, बायोमास या आणविक जैसे सतत ऊर्जा स्रोतों से पैदा करनी है। मगर आज राष्ट्रीय खपत की बमुश्किल 13 प्रतिशत बिजली सतत स्रोतों से आती है। उधर, स्वयं केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) का आंकड़ा है कि 2032 में बिजली की मांग इतनी बढ़ेगी कि कोयला बिजलीघरों के उत्पादन में 28 हजार मेगावाट का इजाफा हमारी मजबूरी होगा। बस, यहीं हम फंस जाते हैं। जिस प्रदूषण से निजात के लिए ई-वाहनों को प्रोत्साहन दिया, वह कोयला संयंत्रों की मार्फत जारी रहेगा तो क्या ढाक के वही तीन पात जैसी स्थिति नहीं होगी?

एक धर्मसंकट यह है कि तेल आयात पर निर्भरता से बचाने की ई-वाहन मुहिम कहीं देश को लीथियम आयन बैटरी के आयात का मोहताज न बना डाले? बैटरी ही वाहन का सबसे महंगा पुर्जा होती है। डराने वाला तथ्य यह है कि दुनिया में कुल बैटरी उत्पादन में अकेले चीन का 56 प्रतिशत हिस्सा है। बैटरी का 92 फीसदी ग्लोबल उत्पादन एशिया में और सिर्फ आठ फीसदी बाकी दुनिया में होता है। भारत इस गिनती में फिलहाल कहीं नहीं है। ऐसे में बिना पर्याप्त स्वदेशी बैटरी उत्पादन के भारत कैसे काम चलाएगा?

भूख के बावजूद भारत एक उम्मीद

आलोक जोशी

विश्व गुरु के घोष पर हर्षोल्लास व कटाक्ष का सिलसिला देश के भीतर और विदेश में बसी भारतीय बिरादरी के बीच तो खूब चला है, पर अब ऐसा लग रहा है कि पूरी दुनिया में भारत का डंका बजने वाला है, खासकर विश्व की अर्थव्यवस्था में। सबसे महत्वपूर्ण बयान आए हैं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की तरफ से। आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा का कहना है कि इस वक्त दुनिया के आर्थिक क्षितिज पर जो अंधकार दिख रहा है, उसमें भारत को एक प्रकाश पुंज की तरह देखना पड़ेगा। इसकी एक वजह यही है कि मुश्किल दौर में भी भारत की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ती रही।

हालांकि एक ही भारत के अलग-अलग पहलू हैं। एक पहलू यह भी है, जो ताजा ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2022 के आंकड़े दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत छह पायदान नीचे खिसककर 121 देशों में 107वें स्थान पर पहुंच गया है। वैश्विक सूची में भारत दक्षिण एशियाई देशों में सिर्फ युद्धग्रस्त अफगानिस्तान से बेहतर बताया गया है। मतलब, विशाल आबादी वाले देश में भूख एक पहलू है। लेकिन कुल मिलाकर, एक मजबूत भारत भी है, जो एक साल के लिए जी-20 की अध्यक्षता करने जा रहा है। जी-20 असल में 19 राष्ट्रों और यूरोपीय संघ के सारे देशों को मिलाकर बना है। दुनिया की जीडीपी का लगभग 80 प्रतिशत और अंतरराष्ट्रीय व्यापार का 75 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा जी-20 के सदस्य देशों से आता है। आगामी 1 दिसंबर से भारत इसका अध्यक्ष बनेगा, और इसके बाद एक साल के भीतर उसे इस समूह की 200 से ज्यादा बैठकों की मेजबानी करनी है। क्रिस्टालिना जॉर्जीवा का कहना है कि जिस वक्त भारत इस संगठन का नेतृत्व संभालने जा रहा है, वह खुद बहुत मजबूत स्थिति में है, और यह तय है कि इसके बाद भारत पूरी दुनिया पर छाप छोड़ेगा। जॉर्जीवा ही नहीं, आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे ओलिवियर गौरिंचस का भी कहना है कि जिस वक्त पूरी दुनिया पर मंदी का खतरा मंडरा रहा है, भारत की तेज चमक तारीफ के काबिल है।

पिछले हफ्ते आईएमएफ ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान घटा दिया, पर यह भी बताया है कि भारत दुनिया में सबसे तेज रफ्तार से बढ़ेगा। आईएमएफ ने 2021 में भारत की जीडीपी ग्रोथ की रफ्तार 8.7 प्रतिशत के मुकाबले 2022 में 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। उधर 2022-23 के लिए उसे लगता है कि भारत की जीडीपी में 6.1 फीसदी की बढ़त होगी, जबकि जनवरी में उसका अनुमान 8.2 प्रतिशत था, जो जून में घटाकर 7.4 प्रतिशत कर दिया गया था। फिर भी यह काफी है, क्योंकि इसी दौरान चीन में 4.4 प्रतिशत, अमेरिका में एक प्रतिशत, जापान में 1.6 प्रतिशत, यूरोपीय देशों में 0.5 प्रतिशत और ब्रिटेन में महज 0.3 प्रतिशत बढ़त का अनुमान है। संभवत: यह भी एक बड़ी वजह है कि दुनिया को भारत में बड़ी उम्मीद दिख रही है और आईएमएफ के बयान उस उम्मीद की अभिव्यक्ति माने जा रहे हैं। भारत की अर्थव्यवस्था भले अभी 3.5 ट्रिलियन डॉलर के करीब हो, पर इसकी विशाल आबादी, आगे बढ़ता मध्यवर्ग और तेजी से फैलता बाजार पूरी दुनिया को बड़ी संभावना की तरह दिखता है। कारों व महंगे मोबाइल फोन की बिक्री के आंकड़े और ऑनलाइन खरीद-बिक्री या डिजिटल लेन-देन की रफ्तार व आकार, दुनिया के अनेक देशों को हैरान कर देते हैं।

वैसे, आईएमएफ की तरह विश्व बैंक ने भी हाल में भारत की ग्रोथ का अनुमान घटाया है। पहले जहां उसे उम्मीद थी कि वित्त वर्ष 2022-23 में भारत 7.5 प्रतिशत बढ़ेगा, वहीं अब उसका अनुमान 6.5 प्रतिशत ही रह गया है। दक्षिण एशिया पर अपनी द्विवार्षिक रिपोर्ट में उसने कहा है कि अनिश्चितता और कर्ज महंगा होने की वजह से भारत में निजी क्षेत्र का निवेश मंदा रहने का डर है। दुनिया भर में मांग कम होने का असर भी भारत के निर्यात पर पड़ सकता है। इन सबके बावजूद आईएमएफ की तरफ से यह अनुमान साफ है कि भारत 2027-28 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। हालांकि, 2025 तक भारत को पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का सपना 2025-26 में भी पूरा होता मुश्किल दिखता है, लेकिन साल 2027-28 में भारत की जीडीपी 5.36 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद है। उस वक्त की तस्वीर देखें, तो तीसरे नंबर पर पहुंचने के बावजूद भारत 30.28 ट्रिलियन डॉलर वाले अमेरिका और 28.25 ट्रिलियन डॉलर वाले चीन से काफी पीछे दिखाई पड़ेगा। मगर अर्थशास्त्री हालात को बेहतर तरीके से दिखाने के लिए एक और फॉर्मूला इस्तेमाल करते हैं। इसे 'पर्चेजिंग पावर पैरिटी' (क्रय शक्ति समता) कहा जाता है। मतलब यह कि किसी एक देश में कुछ खास सामान खरीदने के लिए कितनी रकम खर्च होती है, उसके मुकाबले वही सामान दूसरे देश में कितना खर्च करने पर मिलता है।

इस आधार पर दोनों देशों की मुद्रा के बीच तालमेल का अनुपात बनाया जाता है, और फिर उन देशों की जीडीपी की तुलना भी उस अनुपात से की जाती है। जैसे ही आप इस पैमाने पर देखेंगे, तो पाएंगे कि 2027-28 में अमेरिका 42.05 ट्रिलियन डॉलर, चीन 30.28 ट्रिलियन डॉलर और भारत 17.85 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुके होंगे। यह तस्वीर बहुत सुहानी दिखती है, जब तक आप यह न देखें कि दुनिया में अमीर और गरीब की खाई किस तेजी से बढ़ रही है।

धनतेरस

देवताओं के वैद्य धन्वंतरी की मनाई जाती है जयंती

का हिंदू पंचांग के अनुसार, धनतेरस का त्योहार कार्तिक मास के त्रयोदशी को मनाया जाता है। त्रयोदशी तिथि के दिन भगवान शिव को समर्पित प्रदोष व्रत भी रखा जाता है। धनतेरस को धन त्रयोदशी के नाम से भी जानते हैं। इस दिन देवताओं के वैद्य धन्वंतरी की जयंती मनाई जाती है। धनतेरस के दिन सोना, चांदी व अन्य वस्तुओं की खरीदारी करना लाभकारी माना गया है। इस साल लोगों के बीच कंफ्यूजन है कि आखिर उदया तिथि में धनतेरस का त्योहार 22 या 23 अक्टूबर कब मनाया जाएगा। आप भी जानें धनतेरस की सही तारीख-

धनतेरस डेट-

हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास की कृष्ण त्रयोदशी का प्रारंभ 22 अक्टूबर, शनिवार को शाम 06 बजकर 02 मिनट पर हो रहा है। जो कि अगले दिन 23 अक्टूबर की शाम 06 बजकर 03 मिनट तक रहेगी।

बन रहा खास योग

इस साल धनतेरस पर त्रिपुष्कर योग बन रहा है। इस योग में किए गए कार्यों में सफलता हासिल होने के साथ तीन गुना फल प्राप्त होने की मान्यता है। धनतेरस के दिन त्रिपुष्कर योग दोपहर 01 बजकर 50 मिनट से शाम 06 बजकर 02 मिनट तक रहेगा।

मुहूर्त

धनतेरस पर भगवान धनवंतरी की पूजा के लिए 22 अक्टूबर 2022 को शाम 7 बजकर 10 से रात 08 बजकर 24 मिनट तक का शुभ मुहूर्त है। इस दिन व्यापारी बही-खातों की पूजा कर कुबरे देव से धन में वृद्धि कामना करते हैं। **प्रदोष काल-** शाम 5.52 - रात 8.24 (22 अक्टबर 2022) **वृषभ काल-** शाम 7.10 - रात 09.06 (22 अक्टबर 2022)।

शुभ योग

धनतेरस पर इस बार त्रिपुष्कर, इंद्र योग का संयोग बन रहा है जो धन वृद्धि के लिए बहुत शुभ माना गया है.

त्रिपुष्कर योग - दोपहर 01.50 - शाम 06.02 ।
इंद्र योग - 22 अक्टूबर 2022, शाम 05.13 - 23 अक्टूबर 2022, शाम 04.07 ।
अमृत सिद्धि योग - 23 अक्टूबर 2022, दोपहर 02.34 - 24 अक्टूबर 2022, शाम 06.30 ।
सर्वार्थ सिद्धि योग: पूरे दिन

धनतेरस पर क्या न खरीदें

स्टील-एल्युमिनियम

स्टील और एल्युमिनियम शुद्ध धातु नहीं माना जाता। जानकारी के अभाव में लोग इसे धनतेरस पर खरीद लेते हैं लेकिन ऐसा करना उचित नहीं है। एल्युमिनियम पर राहु का प्रभाव रहता है जो जीवन में कई मुश्किलें पैदा कर सकता है। शास्त्रों के अनुसार मात्र पीतल, सोना या चांदी धातु ही खरीदना शुभ माना गया है।

नकली आभूषण

मात्र औपचारिकता या फिर पैसों की कमी के चलते के लिए कई लोग धनतेरस पर आर्टिफिशियल आभूषण खरीद लेते हैं लेकिन ऐसा करना अशुभ माना जाता है। इससे दरिद्रता का वास होता है।

कांच-चीनी

धनतेरस पर कांच के बर्तन से इससे जु?ी कोई भी वस्तु नहीं खरीदनी चाहिए, कहते हैं कांच में भी राहू का वास होता है। वहीं चीनी के गमले या बर्तन भी इस दिन लेना अशुभ होता है। धनतरेस के शुभ अवसर पर इन चीजों को घर लाना व्यक्ति को संकट में डाल सकता है।

लोहा

धातु से बनी चीजें धनतेरस पर खरीदी जाती हैं लेकिन लोहा निर्मित वस्तुओं को इस दिन खरीदने से बचें। कहते है इस दिन लोहा घर लाने से गृहक्लेश होने लगते हैं। सौभाग्य दुर्भाग्य में बदल जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने पर खर्चे ब?ने लगते हैं, पैसा हाथ में नहीं टिकता।

प्लास्टिक झाड़ू

धनतेरस पर प्लास्टिक के बर्तन और इससे निर्मित दूसरी वस्तुओं जैसा गुलदस्ता की खरीदारी से बचना चाहिए। प्लास्टिक कभी बरकत नहीं देता। धनतेरस पर झाड़ू जरुर खरीदी जाती है लेकिन सिर्फ सींकों या फूल वाली झाड़ू खरीदना ही शुभ है। गलती से भी प्लास्टिक की झाड़ू घर न लाएं।

हंसना मना है

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं
कंडक्टर: अरे क्यों लड़ रही हो,जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का: ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले,क्युंकि मैं एक शेर कि औलाद हुँ। लड़की: अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थीज़ ग़सोलिड वाली बेईज्जती।

लडका: मैं उस लडकी से शादी करूंगा, जो मेहनती हो, सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो।
प्रेमिका: मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

महिला: डॉक्टर साहब, मेरे पति नींद में बातें करने लगे हैं! क्या करूँ? डॉक्टर: उन्हें दिन में बोलने का मौका दीजिए!

कहानी | चोरी और इनाम

झज्जर राज्य पूरी तरह डर के माहौल में ग्रस्त था। कई हफ्तों से लगातार चोरियां हो रहीं थीं और हर बार चोर आसानी से भागने में सफल हो जाता था। रईसों के घरों में चोरी हुई थी और गरीबों के घरों में भी। जब राजकोश में चोरी हुई तब नवाब साहब कुछ जागे। एक राजसी फरमान जारी किया गया। जो कोई भी चोर को पकडेगा उसका नवाब साहब सम्मान करेंगे और उसे इतना धन दिया जाएगा जिससे वो अपनी बाकी जिंदगी सुख-चैन से बिता सके। शेख चिल्ली इस पूरे नाटक से अविचलित था। उसके घर में चोर को आमंत्रित करने वाला कुछ था ही नही। नवाब साहब से अच्छी तनख्वाह पाने के बाद भी शेख चिल्ली और उसकी पत्नी की कोई बहुत अच्छी हालत नहीं थीं। अक्सर वो अपनों तनख्वाह का कुछ हिस्सा बेकार के सपनों या काम के समय किसी बेवकूफी में गंवा देता था। जब कभी भी उसकी जेब में पैसे होते तो वो उन्हें बड़ी खुशी और दरियादिली से खर्च करता। वो गरीब लोगों की मदद करने से कभी नहीं चूकता। एक दिन शेंख चिल्ली ने पड़ोसी राज्य में जाकर एक मशहूर फकीर की दुआ लेने की सोची। इसका मतलब उसे घर से चार दिनों के लिए बाहर रहना था। हाय अल्लाह! तुम मुझे इस डर के माहौल में इतने दिनों के लिए छोड़कर जाने की बात सोच रहे हो! उसको बीबी फौजिया ने कहा। अगर इस बीच में घर में चोर आ धमका तो क्या होगा? बेगम, कोई भी समझदार चोर हम पर अपना समय बरबाद नहीं करेगा! शेखर ने उसे दिलासा दिलाते हुए कहा! जब तक मैं वापिस नहीं आता तब तक हमारी पड़ोसिन तुम्हारे साथ रात को आ कर सोया करेंगी। और किसे पता? यह भी हो सकता है मैं, हम दोनों के लिए कोई अच्छी तकदीर लेकर वापिस लौटूं! अगली सुबह वो रवाना हो गया और फिर कुछ दिनों बाद उस फकीर का दिया हुआ एक तावीज लेकर वापिस लौटा। फकीर ने कहा कि इस तावीज से हमारे घर में सुख और शांति कायम रहेगी, शेख चिल्ली ने कहा। फौजिया ने प्रार्थना के अंदाज में उस तावीज को अपनी आंखों और ओठों से छुआया। इंशाअल्लाह! उसने हल्के से कहा। भोजन के बाद शेख चिल्ली अपने घर की छत पर चला गया। काले आममान में हजारों-लाखों सितारे झिलमिला रहे थे। छत पर टहल-कदमी करते समय शेख चिल्ली का दिमाग तमाम खुशहाल यादों से भर गया। उसे अपनी प्यारी मरहूम अम्मी की याद आई। उसे अपने अब्बाजान की भी कुछ धुंधली सी याद आई! जब शेख बिल्कुल छोटा था तभी अब्बा का देहांत हो गया था। शेख को अपने बचपन के मुक्त दिनों की भी याद आई। कैसे उसकी पतंग आसमान को छूती थी, जैसे कोई जिंदा जानवर स्वतंत्रता के लिए संघर्ष कर रहा हो - ऊपर, ऊपर और ऊपर! शेख चिल्ली अपनी यादों की दुनिया में खो गया। वो चहल-कदमी करता-करता सीधे अपनी छत से नीचे कच्ची सड़क पर एक जोरदार आवाज।.. धम्म! से आकर गिरा वो भाग्यशाली रहा क्योंकि दो-चार खरोंचों के अलावा उसे कोई खास चोट नहीं आई। वो सड़क पर गिरने की बजाए घुराने कपड़ों की एक गठरी पर आकर गिरा था। जैसे ही पड़ोस के लोग अपनी लालटेनें लेकर मौके पर शिनाख्त करने के लिए पहुंचे उन्हें कुछ पुराने कपड़े उठाकर भागते हुए दिखाई दिए! उन्होंने उस भागते हुए आदमी को तुरंत पकड़ लिया और उसे फौरन बेनकाब किया।

5 अंतर खोजें

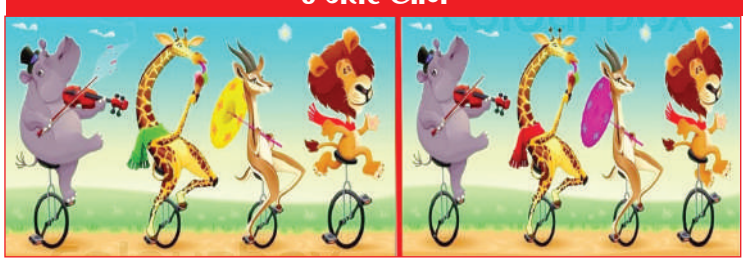

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

जल्दबाजी में निवेश न करें अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की जरूरत है। आज के दिन प्यार की कली चटककर फूल बन सकती है।

वृषभ

आज कामकाज में आपका पूरा मन लगेगा। अगर किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो उसे आज समय से पहले ही पूरा कर लेंगे। इस राशि के लवमेट के लिए रिश्तों में मिठास भरने का दिन है।

मिथुन

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप बड़ी से बड़ी समस्या का हल आसानी से निकाल लेंगे। आपका स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहेगा। कानूनी मसलों को हल करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है।

कर्क

आज सुख-सुविधा पर खर्चा करने का मन बन सकता है। बैंक से जुड़े कार्यों में सतर्क रहें। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के आसार हैं। सहजता और तेजी के साथ कई मुद्दों का सफलतापूर्वक समाधान करेंगे।

सिंह

आज किसी से जबरदस्ती अपनी बात मनवाने की कोशिश न करें। वैवाहिक जीवन अनुकूल होगा। पिछले कुछ दिनों से जो प्लानिंग आपके दिमाग में है उस पर काम शुरू न करें तो ही अच्छा है।

कन्या

आज खास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। माता-पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे।

तुला

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। इस राशि के व्यापारी वर्ग को अचानक धन लाभ होगा। घर में खुशियों का आगमन होगा। आपकी व्यावहारिक प्रवृत्ति को देखकर लोग आपकी प्रशंसा करेंगे।

वृश्चिक

आज आपकी वाणी की मिठास से आप इच्छित काम निकाल सकेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। विरोधी सक्रिय रहेंगे जो आप के बने बनाये कार्य बिगाड़ सकते हैं। सूझ-बुझ से धनलाभ होगा।

धनु

केवल एक दिन को नजर में रखकर जीने की अपनी आदत पर काबू करें और जरूरत से ज्यादा वक्त व पैसा मनोरंजन पर खर्च न करें। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा दिन है।

मकर

आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जायेगा। आज काम के मामले में कोई बड़ी चुनौती भी आपके सामने आ सकती है।

कुम्भ

आपकी जी-तोड़ मेहनत और परिवार का सहयोग इच्छित परिणाम देने में कामयाब रहेंगे। लेकिन तरक्की की रफ्तार बरकरार रखने के लिए मेहनत इसी तरह जारी रखें।

मीन

परिवार के सदस्य सहयोगी होंगे, लेकिन उनकी काफी सारी मांगें होंगी। किसी से विवाद और मतभेद हो सकते हैं। खर्चा और फालतू दौड़-भाग हो सकती है। धन हानि भी हो सकती है।

क्षेत्रीय सिनेमा का परिदृश्य काफी बदल गया है: तेजस्वी

बॉलीवुड | मसाला

बिग बॉस 15 फेम तेजस्वी प्रकाश मराठी सिनेमा में फिल्म मन कस्तूरी रे से डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 29 वर्षीय अभिनेत्री ने क्षेत्रीय सिनेमा के बारे में बात की और बताया कि कैसे निर्माता अधिक बोल्ड और यथार्थवादी कंटेंट लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज क्षेत्रीय सिनेमा परिदृश्य काफी बदल गया है- निर्माता अधिक प्रयोगात्मक हैं और कंटेंट के मामले में साहसिक कदम उठा रहे हैं। मैं अपने प्रशंसकों के इस फिल्म को देखने के लिए वास्तव में उत्साहित हूं।

तेजस्वी ने खतरों के खिलाड़ी 10 जैसे रियलिटी शो में भाग लेकर टीवी उद्योग में अपनी पहचान बनाई थी। उन्हें टीवी धारावाहिक रिश्ता लिखेंगे हम नया में दीया सिंह या कर्ण संगिनी में उरुवी के रूप में उनकी भूमिका के लिए भी याद किया जाता है, और वर्तमान में अभिनेत्री नागिन 6 में प्रथा गुजराल के रूप में देखी जा सकती है। बिग बॉस 15 में उनके कार्यकाल के बाद, करण कुंद्रा के साथ तेजस्वी की केमिस्ट्री शहर में चर्चा का विषय बन गई है और युगल अपने पोस्ट और रीलों के लिए सभी का ध्यान खींच रहे हैं। अब जब वह एक मराठी फिल्म का हिस्सा बनकर एक नया सफर शुरू करने जा रही हैं, तो अभिनेत्री ने कहा कि एक महाराष्ट्रियन होने के नाते उनके लिए यह प्रोजेक्ट लेना सही है और वह इससे अच्छी तरह जुड़ सकती हैं।

उन्होंने कहा, मैं मराठी फिल्में देखते हुए बड़ी हुई हूं। खुद एक महाराष्ट्रियन होने के नाते, मन कस्तूरी रे में काम करना सही लगा, क्योंकि यह मेरे लिए एक यादगार पल था। मन कस्तूरी रे 4 नवंबर को रिलीज हो रही है।

आम्रपाली की फिल्म विद्या का फर्स्ट लुक जारी

भोजपूरी फिल्म इंडस्ट्री की क्वीन कही जाने वाली आम्रपाली दुबे आज कल अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर सुखिर्यों में बनी हुई हैं। एक्ट्रेस ने फैंस के साथ अपनी आने वाली फिल्म विद्या का पोस्टर शेयर किया। जिसमे वह हल्की मुस्कान के साथ रिक्शा चलाती हुई नजर आ रही हैं। पोस्टर को देखने का बाद साफ तौर पर दिखाई दे रहा है कि आम्रपाली का किरदार फिल्म में रिक्शावाली का होने वाला है। आम्रपाली के पोस्टर में ऐसा लुक देखकर फैंस उनकी खूब तारीफ कर रहे हैं। एक्ट्रेस की इस गेटअप को फैंस दिनेश लाल यादव उर्फ (निरहुआ) से जोड़ कर देख रहे हैं। बिना किसी मेकअप के आम्रपाली दुबे ने इस पोस्टर के जरिए अपने चाहने वालों के दिल में एकबार फिर से जगह बना लिया है।

फिल्म का फर्स्ट लुक जैसे ही सामने आया हर तरफ आम्रपाली दुबे की चर्चा होनी लगी। पोस्टर में साफ देखा जा रहा है की एक्ट्रेस कैसे खिलखिलाते हुए रिक्शा को चलाते हुए नजर आ रही हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस आम्रपाली कड़ी मेहनत करते हुए दिखाई देगी। फैंस को इस पोस्टर में आम्रपाली का साधारण पोशाक दिवाना बना रहा है, इसमें वह एक आम लड़की की तरह ही दिखाई दे रही हैं। यह फिल्म आम्रपाली की और फिल्मों से अलग होने वाली है, क्योंकि पोस्टर में साफ देखा जा सकता है इस फिल्म में एक्ट्रेस लीड रोल में हैं। फैंस को आम्रपाली की यह लुक काफी पसंद आ रहा है। उनके फैंस उनकी पोस्ट पर कमेंट्स कर आम्रपाली को बधाई दे रहे हैं। कुछ फैंस तो शेरो-शायरी में एक्ट्रेस की तारीफ कर रहे हैं। एक फैंस ने चुटकी लेते हुए आम्रपाली से पूछा की आप कब निरहुआ बन गई? इसी तरह राज कुमार नाम के एक और फैंस ने पूछा निरहुआ जी रिटायर हो गए क्या? की आप आ रहे हो रिक्शा लेकर। बता दे कि फैंस तो इस पोस्टर पर अपनी प्रतिक्रिया दे ही रहे हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

फिल्में बड़े पर्दे के लिए होती हैं : अंगद बेदी

घूमर से तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे अभिनेता अंगद बेदी का मानना है कि फिल्में बड़े पर्दे के लिए बनती हैं। हालांकि उन्होंने उल्लेख किया कि उन्हें ओटीटी कंटेंट भी पसंद है। उनकी आखिरी फिल्म गुंजन सक्सेना-द कारगिल गर्ल, जिसमें जान्हवी कपूर ने मुख्य भूमिका निभाई थी, ओटीटी पर आई, लेकिन मूल रूप से सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। ओटीटी और थिएटर के माध्यम पर अपने विचार साझा करते हुए, अंगद कहते हैं, फिल्म अभिनेताओं के रूप में, हम दर्शकों से जुड़ना पसंद करते हैं और थिएटर वह जगह है जहां आपको तुरंत दर्शकों का फैसला मिलता है। हालांकि मैं ओटीटी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, लेकिन मेरा मानना है कि फिल्में बड़े पर्दे के लिए होती हैं। उन्होंने आगे साझा किया कि टीम ने घूमर के रूप में एक आकर्षक फिल्म बनाई है, यह बताने के लिए एक सुंदर कहानी के साथ एक शानदार फिल्म होने जा रही है, और मैं यह देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता कि बड़े परदे पर हिट होना कैसा होता है। आर बाल्की द्वारा निर्देशित घूमर में अभिषेक बच्चन, सैयामी खेर और शबाना आजमी भी हैं। अंगद की आखिरी परियोजना एक लघु फिल्म, द लिस्ट थी, जिसमें पिंक की उनकी सह-कलाकार कीर्ति कुल्हारी भी थीं। यह फिल्म अमेजन मिनी टीवी पर उपलब्ध है।

वाइन की बोतल 750 एमएल की ही क्यों होती है, एक लीटर या 500 एमएल की क्यों नहीं?

शराब के शौकीन तो दुनियाभर में हैं और वाइन उन्हें खूब पसंद आती है। वाइन के लिए कहा जाता है कि वो जितनी पुरानी होती जाती है, उसका स्वाद उतना ही अच्छा होता जाता है। केमिकल रिएक्शन की वजह से ऐसा होता है मगर आज हम आपको इस रिएक्शन के बारे में नहीं, बल्कि वाइन से जुड़ी ऐसी बात बताने जा रहे हैं जो आपने नोटिस तो की होगी पर कारण नहीं जानते होंगे। आपने गौर किया होगा कि वाइन की बोतलें आमतौर पर 750 मिलीलीटर की होती हैं, 1 लीटर या 500 मिलीलीटर के राउंड फिगर में उन्हें नहीं बनाया जाता। चलिए इसका कारण जानते हैं। बिजनेस स्टैंडर्ड न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार कांच की बोतलें रोमन एंपायर में पहली शताब्दी के वक्त से ही प्रचलन में थी मगर तब वो बेहद महंगी थीं इसलिए आम लोग उसका इस्तेमाल नहीं कर पाते थे। 18वीं सदी तक ग्लास बोतल आम लोगों के घर तक पहुंचने लगा और उसकी कीमत भी बेहद कम हो गई क्योंकि उसका प्रोडक्शन बढ़ गया। कोयले से बनने वाली भट्टियों में ज्यादा मजबूत कांच की बोतल भी बनने लगी थीं। भट्टियों में कांच की बोतलें गोल की जगह लंबी होने लगी थीं जिससे वाइन को लंबे वक्त तक स्टोर किया जाने लगा और उसे ट्रांसपोर्ट भी करना आसान हो गया। पर इन सब बातों का बोतल के 750 mL होने से क्या संबंध है? असल में उस दौरान हर बोतल को कारीगर (why wine bottles made of 750 ml not 1 litre) बनाते थे। उसे आकार देने के लिए मुंह से हवा छोड़कर फुलाया जाता था। आम आदमी के फेफड़ों में 700 mL से 800 mL तक ही हवा भरकर निकल पाती है। यही वजह है कि जो कारीगर थे, वो 750 mL तक हवा बोतल में छोड़ते थे। आज के वक्त में जब बोतलें मशीन से बनती हैं और उनका आकार अपने अनुसार कुछ भी रखा जा सकता है, उसके बावजूद कंपनियों ने पुराना लुक देने के लिए बोतलों को 750 ml का ही बनाना जारी रखा है। अमेरिका में तो बोतल में 750 ml वाइन होने का नियम बन गया था। इस वजह से दुनिया के अन्य देशों में भी इसी साइज को फॉलो किया जाने लगा।

अजब-गजब | दुनियाभर के वैज्ञानिक भी इस रहस्य की गुत्थी को नहीं सुलझा पाए

इस विशालकाय चट्टान को देखकर हैरान रह जाते हैं लोग, वजह जानकर आप भी रह जाएंगे दंग

हमारी पृथ्वी पर तमाम रहस्य मौजूद हैं, जिनमें से इंसान कुछ के ही बारे में जान पाया है। बावजूद इसके आज भी अनगिनत ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में आज तक कोई पता ही नहीं लगा पाया। आज हम आपको एक ऐसा विशालकाय चट्टान के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे देखकर यकीनन आप भी हैरान रह जाएंगे। दुनियाभर के वैज्ञानिक भी इस रहस्य की गुत्थी को नहीं सुलझा पाए। दरअसल, हम बात कर रहे हैं। सऊदी अरब में मौजूद अल नसला की चट्टान के बारे में, इस चट्टान को देखने के बाद हर कोई हैरान है, क्योंकि पृथ्वी पर अभी तक ऐसी कोई तकनीक नहीं बनी है जो इतने विशाल पत्थर के दो टुकड़े कर दे और वो भी इतने परफेक्ट तरीके से कि चट्टान के दोनों टुकड़े बराबर हों और उसमें कहीं कोई दरार तक न पड़ी हो। इस चट्टान को देखकर ऐसा लगता है कि लकड़ी काटने वाली आरा मशीन से इसे काटा गया हो। जिस तरह से किसी पेड़ के तने को आरा मशीन से काटा जाता है वैसे ही इस चट्टान को ही काटा गया है। लेकिन कोई नहीं जानता कि आखिर ये चट्टान दो हिस्सों में कब और कैसे बंटी। इस चट्टान को देखकर लोगों के

दिमाग में यही ख्याल आता है कि इसे किसी परजीवी यानी एलियंन ने काटा होगा। लेकिन ये सिर्फ मनगढ़ंत बातें हैं इसकी सच्चाई किसी को पता नहीं है। बता दें कि अल नसला एक बहुत बड़ी चट्टान है, जिसे दो हिस्सों बराबर तरीके से काटा गया है।

तस्वीर को देखकर लोगों का कहना है कि ये काम सिर्फ एलियंस ही कर सकते हैं, वरना पृथ्वी पर तो ऐसा हो पाना नामुमकिन है। वहीं इसे लेकर कुछ एक्सपर्ट्स का कुछ कहना है कि चट्टान का यूं कटना freeze-thaw weathering का नतीजा हो सकता है। ये चट्टान सऊदी अरब के तायमा ओएसिस में स्थित है।

हाल की पुरातात्विक खोजों से पता चलता है कि तैमा प्राचीन काल से बसा हुआ है। अल नस्ला इस इलाके में सबसे अधिक फोटोजेनिक पेट्रोग्लिफ्स में से एक है। दो खड़े पत्थरों और सपाट चेहरों के बीच एकदम सही भट्ठा पूरी तरह से प्राकृतिक है। सबसे खास बात ये है कि इस विशालकाय चट्टान के दोनों टुकड़ों की बुनियाद यानी नींव भी न के बराबर ही है और इसका सन्तुलित भी बना हुआ है। जो इंसान के लिए शायद नामुमकिन ही है।

करोड़ों की संपत्ति के मालिक हैं हिमाचल के 50 से ज्यादा विधायक

» 19 पर आपराधिक मामले, कई चल रहे जमानत पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश इलेक्शन, एडीआर और भारत ज्ञान-विज्ञान समिति ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में विधायकों के स्व घोषित हलफनामों का विश्लेषण किया है। हिमाचल में 50 ऐसे विधायक हैं, जो करोड़पति हैं। प्रति विधायक की औसतन संपत्ति 8.45 करोड़ रुपये है।

हिमाचल इलेक्शन वॉच, एडीआर और भारत ज्ञान-विज्ञान समिति के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष डॉ. ओम प्रकाश भूरेटा ने प्रेस वार्ता में कहा कि हिमाचल के 68 विधानसभा क्षेत्रों के 19 विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। गंभीर आपराधिक मामलों में विधायकों की संख्या आठ है। कहा कि भाजपा के विधायकों की बात करें तो कुल 47

विधायकों में 17 ऐसे विधायक हैं, जिन्होंने आपराधिक मामलों में संलिप्त होने का हलफनामा दिया है। इसी तरह कांग्रेस के 20 विधायकों में से दो विधायकों ने हलफनामे में आपराधिक मामले में संलिप्त होने की बात स्वीकार की है। माकपा ने हलफनामे में आपराधिक मामले को नहीं स्वीकारा है। इसी तरह गंभीर आपराधिक मामलों में भाजपा के छह, कांग्रेस के दो विधायक शामिल हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की 14वीं विधानसभा के चुनाव के

22 सीटों पर प्रत्याशी तय करने के लिए कांग्रेस का मंथन जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए 22 प्रत्याशियों का चयन करने को बुधवार को दिन भर नई दिल्ली में बैठकों के दौर चले। रात दस बजे तक पार्टी की विशेष कमेटी कोई आम सहमति नहीं बना सकी। हाईकमान ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मुकुल वासनिक, प्रदेश प्रभारी राजीव शुक्ला और पूर्व केंद्रीय मंत्री दीपादास मुंशी को 22 सीटों पर प्रत्याशी तय करने का जिम्मा सौंपा है। देर रात को कांग्रेस ने 46 प्रत्याशियों की सूची जारी कर दी थी। अब शिमला शहरी, किन्नौर, नालागढ़, बिलासपुर, हमीरपुर, सरकाघाट, कांगड़ा, गगरेट, चिंतपूर्णी, भरमौर, जयसिंहपुर, पांवटा साहिब, करसोग, नाचन, आनी, जोगिंद्रनगर, धर्मपुर, इंदौरा, सुलह, देहरा, कुटलैहड़ और मनाली से प्रत्याशी तय करना शेष हैं। भाजपा छोड़कर आने वाले नेताओं के इंतजार और प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के बीच आम सहमति नहीं बनने से सूची को अंतिम रूप देने में अड़चन खड़ी हो गई है। संभावित है कि देर शाम तक प्रत्याशियों की सूची जारी हो जाए। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जिला शिमला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष केहर सिंह खाची ने बुधवार को नई दिल्ली में कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी से मुलाकात की। खाची ने बताया कि उन्हें सोनिया गांधी ने ठियोग-कुमारसेन में पार्टी को एकजुट करने का जिम्मा सौंपा है।

गुजरात में बसे राजस्थान के लोगों पर बीजेपी की नजर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गुजरात चुनाव की तारीख का एलान होने से पहले राजनीतिक पार्टियों ने वोटरों को अपने पक्ष में बैठाने का काम शुरू कर दिया। गुजरात प्रदेश के विभिन्न इलाकों में बसे 15 लाख राजस्थानी वोटरों को रिझाने का जिम्मा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने राजस्थान के 108 नेताओं को सौंपा है। इनमें प्रदेशाध्यक्ष समेत केंद्रीय मंत्री, सांसद, विधायक शामिल हैं। जिम्मेदारी मिलने के साथ ही इन नेताओं ने ग्राउंड जीरो पर काम भी शुरू कर दिया।. नेता गुजरात के विभिन्न इलाकों का दौरा कर वहां रहने वाले राजस्थानियों से संपर्क कर रहे हैं। साथ ही राजस्थान में निवास कर रहे गुजराती वोटरों से भी संपर्क साध रहे हैं।

108
नेताओं के जिम्मे 15 लाख वोटर्स का हिसाब

हाल ही में प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने सूरत, गांधीनगर, अहमदाबाद का चुनावी दौरा किया था और अभी वे राजस्थान में हैं। इनके अलावा 107 नेता अभी गुजरात में प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। बीजेपी ने गुजरात चुनाव में प्रचार के लिए प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां, केंद्रीय जलशक्ति मंत्री और जोधपुर सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत, केंद्रीय संसदीय कार्य राज्यमंत्री और बीकानेर सांसद अर्जुनराम मेघवाल, केंद्रीय कृषि राज्यमंत्री और बाड़मेर सांसद कैलाश चौधरी, केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री और राज्यसभा सांसद भूपेंद्र यादव को जिम्मा सौंपा है। इसके अलावा राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद नारायण पंचारिया, झाड़ोल विधायक बाबूलाल खराड़ी, सिवाणा विधायक हम्मीर सिंह भायल, आहोर विधायक छगन सिंह राजपुरोहित, रानीवाड़ा विधायक नारायण सिंह देवल को इसका जिम्मेदारी दी गई है। खेरवाड़ा के पूर्व विधायक नानालाल अहारी, डग के पूर्व विधायक रामचंद्र सुनारीवाल, जैसलमेर के पूर्व विधायक छोटू सिंह भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष नारायण सिंह देवल, प्रदेश महामंत्री सुशील कटारा, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सावर समेत संगठन के 108 नेताओं को जिम्मा सौंपा गया। बीजेपी ने गुजरात के 9 जिलों में प्रदेश के 18 नेताओं को तैनात किया. प्रत्येक जिले में 1-1 कॉर्डिनेटर और को-कॉर्डिनेटर तैनात किए हैं। हर जिले में जिला अध्यक्ष, जिला महामंत्री स्तर के नेता को नियुक्त किया गया। 43 विधानसभा क्षेत्र में 86 नेताओं को बतौर संयोजक और सह-संयोजक नियुक्त कर जिम्मेदारी सौंपी गई।

51 विधानसभा क्षेत्रों में राजस्थानी वोटर

गुजरात की कुल आबादी करीब 7 करोड़ 4 लाख है। इसमें लगभग 1.50 करोड़ दूसरे राज्यों से आए लोग हैं। पड़ोसी राज्य होने से यहां बड़ी संख्या में राजस्थानी भी बसे हैं। बीजेपी ने गुजरात को 4 जोन नॉर्थ गुजरात, सेंटर गुजरात, साउथ गुजरात और सौराष्ट्र में बांटकर रणनीति तैयार की है। नॉर्थ गुजरात में बीजेपी के 9 संगठन जिलों में 43 विधानसभा क्षेत्र हैं। गुजरात चुनाव के बाद वर्ष 2024 में लोकसभा चुनाव होने हैं. सत्ता वापसी के लिए बीजेपी को गुजरात में जीतना बड़ी चुनौती है। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह का गृह क्षेत्र भी है। ऐसे में यहां जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी।

खड़गे का कांग्रेस अध्यक्ष बनना हमारे लिए गर्व की बात : गहलोत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए हुए चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे की जीत हुई है। कांग्रेस नेता खड़गे की इस जीत पर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की प्रतिक्रिया सामने आई है। सीएम अशोक गहलोत ने खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर कहा कि खड़गे साहब का अध्यक्ष बनना हमारे लिए गर्व की बात है। साथ ही सीएम गहलोत ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी का पूरा समर्थन उनके साथ रहेगा।

खड़गे की जीत पर सीएम अशोक गहलोत ने कहा कि बेहद अनुभवी वरिष्ठ नेता हैं। खड़गे के नेतृत्व में आने वाले समय में कांग्रेस और मजबूत होगी। सोनियाजी और राहुलजी का पूरा समर्थन उनके साथ रहेगा। वहीं सीएम गहलोत ने कहा कि हमारी पार्टी पूरे देश में एकजुट है। वहीं राजस्थान कांग्रेस विधायक सचिन पायलट ने खड़गे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने पर कहा भारी बहुमत से मल्लिकार्जुन खड़गे जी जीते हैं, ये लोकतंत्र की जीत है और कांग्रेस पार्टी की जीत है। मैंने खड़गे जी को बधाई दी है। मुझे पूरा भरोसा है कि खड़गे जी का

व्यापक अनुभव पार्टी को मिलेगा। साथ ही कांग्रेस नेता शशि थरूर ने पार्टी के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके आवास पहुंच कर मुलाकात की। वहीं निवर्तमान कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने पर खड़गे से मुलाकात क उन्हें बधाई दी और उनकी पत्नी राधाबाई खड़गे से भी मुलाकात की।

बता दें कि कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में मल्लिकार्जुन खड़गे ने 7897 वोटों से जीत हासिल की है। वहीं शशि थरूर को 1000 से अधिक वोट मिले हैं। कांग्रेस अध्यक्ष पद पर हुए चुनाव के रिजल्ट की घोषणा कांग्रेस केंद्रीय चुनाव प्राधिकरण के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री ने की। मधुसूदन मिस्त्री ने कहा कि मैं मल्लिकार्जुन खड़गे को कांग्रेस का निर्वाचित अध्यक्ष घोषित करता हूं।

बसपा सांसद समेत 12 गैंगस्टरों की 32 करोड़ की संपत्ति जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अपराध और धोखाधड़ी से संपत्ति अर्जित करने वाले बसपा सांसद अतुल राय समेत 12 गैंगस्टरों की 32 करोड़ 36 लाख रुपये की संपत्ति कमिश्नरेट पुलिस ने जब्त की है। 10 माह के अंदर इन गैंगस्टरों की संपत्तियों की जब्तीकरण के साथ ही 108 अपराधियों के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा दर्ज किया गया।

वहीं, 154 अपराधियों के खिलाफ गुंडा एक्ट की कार्रवाई की गई। इसमें 99 अपराधियों के खिलाफ जिला बदर की कार्रवाई की गई है। अब तक फरार आरोपियों के ऊपर इनाम घोषित कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी को लेकर पुलिस आयुक्त ने दोनों डीसीपी को पत्र लिखा है। पुलिस आयुक्त ए सतीश गणेश के अनुसार दुष्कर्म पीड़िता को खुदकुशी के लिए उकसाने में आरोपी नैनी जेल में बंद घोषी के बसपा सांसद अतुल राय की गाजीपुर के भंवरकोल के वीरपुर में 58 लाख 13 हजार की संपत्ति कुर्क की गई। वहीं, सैकड़ों निवेशकों की गाढ़ी कमाई लूटने वाले करोड़ों रुपये की ठगी में जेल में बंद नीलगिरी इंफ्रासिटी के सीएमडी विकास सिंह, एमडी रितु सिंह, प्रबंधक प्रदीप यादव और पलास मिश्रा की लगभग 13 करोड़ की संपत्ति जब्त की गई। इसके अलावा अरबों की धोखाधड़ी करने वाली शाइन सिटी के सीएमडी राशिद नसीम की लखनऊ, बनारस में 18 करोड़ से अधिक की संपत्ति जब्त की गई। इसके अलावा अन्य आरोपियों के दुपहिया और चार पहिया वाहनों को जब्त किया गया। पुलिस आयुक्त ने कहा कि गैंगस्टर एक्ट में वांछितों पर इनाम घोषित कर कड़ी कार्यवाही के लिए काशी और वरुणा जोन के डीसीपी को पत्र लिखा गया है। वहीं, पुराने मामले जिनमें आरोपियों की जमानत हो चुकी है, उन्हें निरस्त करने की कार्यवाही के लिए निर्देशित किया गया। अपराधियों पर कार्रवाई जारी रहेगी।

डेंगू की रोकथाम के लिए नगर निगम लखनऊ ने क्या कदम उठाए : हाईकोर्ट

» डेंगू के बढ़ते मामलों पर अदालत का रुख सख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने लखनऊ नगर निगम से शहर में डेंगू के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए उससे डेंगू के प्रकोप को नियंत्रित करने व उसके प्रभाव को रोकने के लिए उठाये गए कदमों के बाबत 48 घंटों में जवाब तलब किया है। पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 21 अक्टूबर को नियत किया है। यह आदेश चीफ जस्टिस राजेश बिंदल एवं जस्टिस जसप्रीत सिंह की पीठ ने आशीष मिश्रा की ओर से दाखिल एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। याचिका 2012 में दाखिल की गई थी।

बुधवार को सुनवाई के दौरान कहा गया कि

शहर में डेंगू का प्रकोप दिनोंदिन बढ़ता चला जा रहा है लेकिन अफसरों के कान पर जूं नहीं रेंग रही है। वहीं याचिका में कई अन्य मुददे भी उठाये गए। सुनवाई करते हुए पीठ ने राज्य सरकार से सरकारी अस्पतालों में मेडिकल सुविधाओं के उच्चीकरण के बारे में भी रिपोर्ट मांगी है। कोर्ट ने खासतौर से सरकार से पूछा है कि मरीजों के लिए प्लाज्मा की उपलब्धता के बारे में क्या स्थिति है। कोर्ट ने सरकार से कहा है कि अधिकारियों को जितना भी फंड या जनशक्ति या मशीनों की जरूरत हो उसे मुहैया कराया जाए।

अपोलो में डेंगू पीड़ित युवक की मौत पर परिजनों का हंगामा

राजधानी का कॉर्पोरेट अपोलो मेडिक्स हॉस्पिटल एक बार फिर सुर्खियों में है। इलाज के दौरान युवक की मौत के बाद तीमारदारों ने अपोलो मेडिक्स हॉस्पिटल के बाहर जमकर हंगामा किया। हॉस्पिटल में अभिषेक श्रीवास्तव नाम के युवक की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा किया। परिजनों का आरोप है कि तीन दिन से हॉस्पिटल प्रशासन ने भर्ती युवक से मिलने नहीं दिया। हॉस्पिटल प्रशासन लगातार पैसे जमा कराता रहा। बता दें कि डेंगू के चलते युवक को लखनऊ के कॉर्पोरेट अपोलो मेडिक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत होते ही परिजनों ने हंगामा काटा जिसकी सूचना मिलते ही मौके पर कृष्णा नगर पुलिस पहुंची और किसी तरह से परिजनों को समझाया। लेकिन वे लोग अस्पताल प्रशासन के खिलाफ मुकदमा लिखवाने के लिए अड़े थे। परिजनों का आरोप है कि अभिषेक की पहले ही मौत हो चुकी थी लेकिन बावजूद इसके अपोलो मेडिक्स हॉस्पिटल लगातार पैसे जमा करवाता रहा।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा कांग्रेस को केन्द्र की सत्ता में करा पायेगी काबिज!

» बीजेपी शासित राज्य कर्नाटक में भी दिखी राहुल की यात्रा में भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी इन दिनों भारत जोड़ो यात्रा के जरिए अपनी उस छवि से उबरने की कोशिश कर रहे हैं, जो भाजपा ने उनका मजाक उड़ाते हुए बना दी थी। उनकी कोशिश एक जननेता की इमेज बनाने की दिख रही है। लोगों के बीच उनकी इस यात्रा को लेकर क्या असर दिख रहा है, इसकी झलक बीजेपी शासित राज्य कर्नाटक में दिखी है।

कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 3570 किलोमीटर लंबी यात्रा में से राहुल गांधी 1000 किलोमीटर की दूरी तय कर चुके हैं। इस यात्रा में कर्नाटक ऐसा पहला राज्य है जहां बीजेपी शासन में है। कर्नाटक में राहुल गांधी की यात्रा को उन इलाकों में भी जनसमर्थन मिला है, जहां कांग्रेस की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। इस वजह से राज्य के बीजेपी नेताओं को राजनीतिक और प्रशासनिक तौर पर सक्रिय होना पड़ा। बीजेपी ने मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई और पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के नेतृत्व में आनन फानन में जनसंकल्प यात्रा की घोषणा की। इससे पहले भारत जोड़ो यात्रा के कर्नाटक पहुंचने पर बोम्मई ने मीडिया से कहा कि महात्मा गांधी के बारे में बात कीजिए, फर्जी गांधी के बारे में नहीं। राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान राज्य सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बीजेपी की राज्य सरकार एससी/एसटी समुदाय के लोगों के लिए आरक्षण बढ़ाने संबंधी जस्टिस नागमोहन दास की अनुशंसाओं को दबा रही है। इसके 24 घंटे के भीतर बोम्मई सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष सिद्धारमैया और जनता दल सेक्यूलर के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारास्वामी शामिल हुए। इस बैठक में आरक्षण बढ़ाने की स्थिति में उत्पन्न क़ानूनी मसलों पर चर्चा हुई। राजनीतिक विश्लेषक इस बारे में कहते हैं कि अब तक बीजेपी एजेंडा सेट करती रही थी और कांग्रेस एजेंडे के मुताबिक प्रतिक्रिया जताती थी लेकिन अब यह उलट दिख रहा है।

सोनिया गांधी के नेतृत्व में केंद्र में दो बार बनी सरकार: खड़गे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि उनके लिए कांग्रेस का हर एक कार्यकर्ता एक समान है। पार्टी में कोई भी बड़ा या छोटा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि हम सभी को एक साथ मिलकर पार्टी के एक सच्चे सैनिक की तरह काम करना है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने लगातार लोकतंत्र को मजबूत किया है और संविधान की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरों से हमें साथ मिलकर लड़ना है। उन्होंने कहा कि मैं सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं की ओर से सोनिया गांधी का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने निजी त्याग कर 23 सालों तक कांग्रेस पार्टी को अपने खून-पसीने से सींचा है। उनके नेतृत्व में हमने केंद्र में दो बार सरकार बनाई और अनेकों राज्यों में कांग्रेस को मजबूत किया है।

हिमाचल में अगले सीएम को लेकर पार्टी आलाकमान लेगा फैसला: अनुराग

» इस बार के विधानसभा चुनाव में फिर जताया जीत का भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को जीत मिलने की स्थिति में अगले मुख्यमंत्री के चयन का फैसला पार्टी आला कमान करेगा।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा ने बुधवार को 62 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश के अगले मुख्यमंत्री के बारे में सवाल किए जाने पर संवाददाताओं से कहा कि भले ही हिमाचल हो या कोई अन्य राज्य, इस संबंध में फैसला पार्टी आला कमान करता है। हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को विधानसभा चुनाव होने हैं। मतगणना आठ दिसंबर को होगी। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, कांग्रेस की चुनौती से पार पाकर चुनाव जीतने की उम्मीद कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव जीतने का भरोसा जताया और दावा किया कि चुनावों में विपक्षी दल कांग्रेस की हार का सिलसिला जारी रहेगा।

ठाकुर ने कहा कि कांग्रेस को उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर, गोवा में भी सफलता की उम्मीद थी, लेकिन हमें चुनाव कांग्रेस कहीं नजर नहीं आई। उनकी जमानत तक जब्त हो गई। हम देखेंगे कि यहां हिमाचल में क्या होता है। हमीरपुर से लोकसभा सदस्य ठाकुर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हिमाचल प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने इस पर्वतीय राज्य के समग्र विकास के लिए काम किया है। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले चुनाव के मुकाबले इस बार अधिक सीटें जीतकर सरकार बनाएगी। ठाकुर ने खड़गे को कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई दी।

आजमगढ़ में रोड बनवाओ निरहुआ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजमगढ़ सांसद दिनेश लाल 'निरहुआ' की मां का एक और वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में मां के साथ निरहुआ भी दिख रहे हैं। दरअसल, ट्रैक्टर की बुकिंग करने पहुंची निरहुआ की मां बेटे को नसीहत देते हुए दिख रही है। मां चद्रज्योति निरहुआ से कहती हैं कि आजमगढ़ ने तुम्हें खुश किया है। तुम रोड बनवा दो।

उन्होंने कहा कि जब जनता चुनती है तो रुपया पैसा का लालच नहीं करना चाहिए। अपनी किस्मत से पैसा आता है। चोरी-चकरी नहीं। इस बीच निरहुआ आश्वासन देते हैं बन जाई। इससे पहले निरहुआ को उनकी ने मंदिर दर्शन के दौरान फटकार लगाई थी। आजमगढ़ की खराब सड़कें देखकर उनकी मां उन पर गुस्सा हो गई थीं। दिनेश लाल आजमगढ़ में ही फिल्मों की शूटिंग कर रहे हैं और वहीं जनता दरबार लगाकर अपने क्षेत्र के लोगों की समस्याओं को भी सुन रहे हैं। इसी बीच निरहुआ की मां उन्हें डांट लगा दी है।

एक लाख से ऊपर के बिल संशोधन की तीन दिन में करें जांच: ऊर्जा मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को गलत बिल देकर उत्पीड़न किए जाने के मामले में सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बिजली कंपनियों के निदेशक (वाणिज्य) को एक लाख और अधिक के बिलों के संशोधन की तीन दिन में जांच करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गलत बिलिंग के मामले में बिलिंग एजेंसियों के प्रतिनिधियों को कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी। कहा, अगर में जल्द सुधार नहीं हुआ तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ऊर्जा मंत्री शक्ति भवन में बिलिंग, मीटर रीडिंग व राजस्व वसूली की समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने मीटर रीडर की लगातार मॉनीटरिंग पर जोर देते हुए कहा कि रीडिंग में घपलेबाजी पर रोक लगाई जाए। हर महीने बिलिंग एजेंसियों पर 13 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। फिर भी 50 प्रतिशत शिकायतें गलत बिलिंग की आ रही हैं। उन्होंने कहा कि समयबद्ध मॉनिटरिंग के लिए सॉफ्टवेयर तैयार कराया जाए। साथ ही कहा कि उपभोक्ताओं को स्वयं रीडिंग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाए। अपर मुख्य सचिव ऊर्जा महेश कुमार गुप्ता ने कहा कि बिलिंग एजेंसियों को लक्ष्य के अनुरूप बिलिंग, वसूली, मीटर खराबी, जंक डाटा क्लीन, केवाईसी डाटा, डाउनलोडेड बिलिंग आदि के कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से करना होगा। अब हर महीने एजेंसियों के इन कार्यों की समीक्षा के लिए बैठक होगी।

उन्होंने कहा कि 25 प्रतिशत बिलिंग ऐसी है जिसमें प्रतिमाह 10 यूनिट से भी कम रीडिंग आ रही है। ऐसे मामलों की भी जांच की जाएगी। बिलिंग एजेंसियों को अपने इन सभी कार्यों को सुधारने के लिए उन्होंने 30 नवंबर तक अभियान चलाने के भी निर्देश दिए। बैठक में पावर कार्पोरेशन के चेयरमैन एम. देवराज, प्रबंध निदेशक पंकज कुमार, सभी बिजली कंपनियों के एमडी व बिलिंग एजेंसियों के प्रतिनिधि मौजूद थे।

सरकारी विशेषज्ञ डाक्टर हो रहे 'लापता'

» कार्पोरेट अस्पतालों में करोड़ों के पैकेज के चक्कर में विशेषज्ञों का हो रहा है मोहभंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डीएम व एमसीएच की डिग्री लेने वाले जिन विशेषज्ञ डॉक्टरों के भरोसे सरकार प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में सुपर स्पेशियलिटी सेवा को और प्रभावी करना चाहती है, उनमें से कुछ डॉक्टर 'गायब' हो गए हैं। निजी कॉरपोरेट अस्पतालों में भारी भरकम पैकेज के लालच में वे बॉन्ड की निर्धारित प्रक्रिया भी पूरी नहीं कर रहे हैं। इससे सरकार को न सिर्फ करोड़ों रुपये का चूना लग रह रहा है, बल्कि बेहतर सुपर स्पेशियलिटी सेवा की मंशा पर पानी भी फिर रहा है। सब कुछ जानने के बाद भी चिकित्सा शिक्षा विभाग बेफ्रिक है।

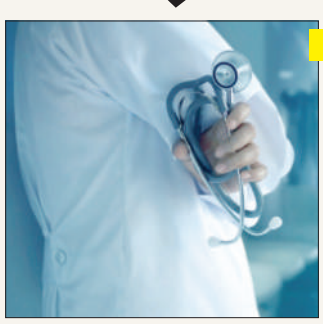

जांच कराकर वसूली की तैयारी

> गायब होने वाले विशेषज्ञ डॉक्टरों के बारे में जानकारी नहीं है। बॉन्ड के तहत एक करोड़ रुपया जमा करना अथवा दो साल अस्पताल में सेवा देना अनिवार्य है। जो लोग डिग्री लेने के बाद अस्पताल में सेवाएं नहीं दे रहे हैं, उनकी जांच कराकर वसूली की कार्रवाई की जाएगी। -श्रुति सिंह, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक

ऐसे 'गायब' विशेषज्ञों के खिलाफ एक्शन न होते देख नए सत्र में भी कई डॉक्टर धीरे से खिसकने की तैयारी में हैं। वे अपने डॉक्यूमेंट के लिए संबंधित कॉलेजों में जुगाड़ लगा रहे हैं। प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों में डीएम और एमसीएच की पढ़ाई करने वाले करीब 150 डॉक्टरों से बॉन्ड भरवाया जाता है। इसके तहत डिग्री हासिल करने के बाद उन्हें दो साल तक सरकारी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में सेवाएं देनी हैं। ऐसा न करने पर सरकारी खाते में एक करोड़ रुपये जमा करना पड़ता है। यह व्यवस्था वर्ष 2018 बैच से लागू है। इस बैच ने 2021 में डिग्री हासिल की। इन्हें काउंसिलिंग के बाद अलग-अलग मेडिकल कॉलेजों व अस्पतालों में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में तैनाती दी गई। इन्हें मानदेय के रूप में 1.20 लाख रुपये प्रतिमाह दिया जाता है। सूत्रों के अनुसार पिछले साल कई डॉक्टरों ने काउंसिलिंग में हिस्सा ही नहीं लिया। वे संबंधित कॉलेज प्रशासन की मिलीभगत से अपने डॉक्यूमेंट लेकर गायब हो गए हैं। इनमें एलएलआरएम मेडिकल कॉलेज मेरठ, एमएलएन मेडिकल कॉलेज प्रयागराज, एसजीपीजीआई और केजीएमयू के एक-एक डॉक्टर का नाम सामने आया है। पता चला है कि ये निजी कॉरपोरेट अस्पताल में सेवाएं दे रहे हैं। पिछले साल बॉन्ड की प्रक्रिया पूरी किए बिना गायब होने वाले डॉक्टरों की जानकारी मिलने के बाद इस साल पढ़ाई पूरी करने वाले भी बेफिक्र हैं। इन्हें डिग्री हासिल किए हुए दो माह बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक इस बैच की काउंसिलिंग कर कॉलेज अलॉट नहीं किया गया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।